दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 62 | ग्वालियर, गुरुवार 22 अप्रैल 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

राहुल गांधी बोले- वैक्सीन की रणनीति नोटबंदी से कम नहीं है, क्योंकि...

नई दिल्ली। कोरोना काल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी मोदी सरकार पर लगातार हमला करते आ रहे हैं वहीं एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि केंद्र की वैक्सीन रणनीति पर हमला किया और आरोप लगाया कि यह नोटबंदी की तरह है. राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि केंद्र सरकार की वैक्सीन रणनीति नोटबंदी से कम नहीं है. आम जन लाइनों में लगेंगे. धन, स्वास्थ्य और जान का नुकसान झेलेंगे और अंत में सिर्फ कुछ उद्योगपतियों का फायदा होगा. चिदंबरम ने मंगलवार को कहा था, संशोधित वैक्सीन नीति के तहत, केंद्र सरकार जिम्मेदारी लेने से भाग रही है. राज्यों को नुकसान हो रहा है. टीके निर्माताओं को मुनाफाखोरों के लिए प्रोत्साहित कर रही है और राज्यों के साथ-साथ गरीब और अमीर भारतीयों के बीच असमानता को और भी बदतर कर देगी. कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तांडव मचा रखा है. अब देश में हर रोज 2 लाख से भी ज्यादा नए मामले आ रहे हैं. आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के कोविड 19 पॉजिटिव होने पर स्वस्थ होने की कामना की है. प्रधानमंत्री मोदी ने शुभकामना संदेश जारी किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, मैं लोकसभा सांसद राहुल गांधी के उत्तम स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को ट्वीट कर खुद के कोविड पॉजिटिव होने की जानकारी दी. राहुल गांधी ने मामूली लक्षण दिखने पर टेस्ट कराया तो पता चला कि कोविड 19 पॉजिटिव हैं. कांग्रेस सांसद ने बीते कुछ दिनों में अपने संपर्क में आए लोगों से कोरोना का टेस्ट कराने की अपील की है. आपको बता दें इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी कोरोना वायरस के शिकार बन गए हैं वो भी कोरोना पॉजिटिव पाए गये हैं. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है. राहुल गांधी ने कहा कि हल्के लक्षण दिखाई देने के बाद मैंने अपना कोरोना टेस्ट करवाया, टेस्ट के बाद मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूं जो लोक मेरे संपर्क में आए हों वो भी अपना टेस्ट करवाएं और सावधानी बरतें.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक हुए कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं. इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री ने खुद ट्वीट कर दी है. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि मेरी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. मेरा इलाज डॉक्टर की सलाह से चल रहा है. हाल के दिनों में जो भी लोग मेरे संपर्क में आए हैं, सावधान रहें और कोरोना टेस्ट जरूर करवाएं. साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय का काम सामान्य रूप से चलता रहेगा. आपको बता दें कि इससे पहले भी कई मंत्री कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं. देश में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं. इसे लेकर देश की शिक्षा व्यवस्था भी बुरी तरह से चरमरा गई है. आपको बता दें कि पहले सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं पर कोरोना की गाज गिरी अब यूजीसी नेट कोरोना वायरस संक्रमण का शिकार बना है. अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (लष्ट हश्वञ्ज) भी कोरोना संक्रमण की वजह से स्थगित कर दी गई है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार, 20 अप्रैल 2021 को इस संबंध में एक नोटिस जारी किया है. वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने ट्वीट कर इस बारे में बताया है कि लष्ट हश्वञ्ज की परीक्षाएं रद्द कर दीं गई हैं. एनटीए ने मीडिया से बातचीत में बताया है कि दिसंबर 2020 साइकल के लिए की परीक्षा टालकर 02 मई से लेकर 17 मई 2021 के बीच होनी थी, आपको बता दें कि ये परीक्षा कंप्यूटर मोड पर होनी थी. लेकिन वर्तमान कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से बिगड़ी हुई परिस्थितियों और अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस परीक्षा को एक बार फिर से स्थगित किया जा रहा है.

दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर मचा हाहाकार

अस्पतालों में बचा है केवल कुछ घंटों का स्टॉक

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले जहां कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। वहीं अब ऑक्सीजन की किल्लत ने दोहरी परेशानी खड़ी कर दी है। सेंट स्टीफंस अस्पताल ने बुधवार को एक बयान जारी करके बताया है कि उनके यहां ऑक्सीजन की भारी कमी हो गई है। अस्पताल में केवल एक से डेढ़ घंटे की ऑक्सीजन बची है। वहीं गंगाराम में पांच घंटे तो अपोलो अस्पताल में 10-12 घंटे के लिए ऑक्सीजन बची है।

स्टीफंस अस्पताल में 350 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। यदि अस्पताल को जल्दी से ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं मिलती है तो इन मरीजों की जान खतरे में पड़ सकती है। स्टीफंस अस्पताल के एसोसिएट मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर जॉन पुन्नूज ने कहा, स्टीफंस अस्पताल में अगले एक से डेढ़ घंटे की ऑक्सीजन बची है। 350 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। हरियाणा के फरीदाबाद से ऑक्सीजन सप्लाई करने वाला वेंडर लिंडे इंडिया सप्लाई नहीं लेकर पहुंचा है।

अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी का कहना है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली कंपनी ने ऑक्सीजन देने से मना कर दिया है। मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए अस्पताल ने तुरंत ऑक्सीजन सप्लाई करने की मांग की है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जितनी जल्दी हो सके ऑक्सीजन की सप्लाी की जाए वरना मरीजों के लिए परेशानी बढ़ जाएगी। हालांकि अब वेंडर ने अस्पताल को छह बजे तक ऑक्सीजन देने का भरोसा दिया है।

गंगाराम में बची पांच घंटे की ऑक्सीजन–गंगाराम अस्पताल भी ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है। अस्पताल में केवल पांच घंटे की ऑक्सीजन बची है। इसकी जानकारी खुद अस्पताल प्रशासन ने दी। प्रशासन ने कहा, वर्तमान में गंगा राम सिटी अस्पताल में आईसीयू में 10 सहित 58 कोविड रोगी भर्ती हैं। 35 मरीज भर्ती होने के इंतजार में हैं। हमारे पास केवल पांच घंटे की ऑक्सीजन बची है।

अपोलो अस्पताल में है केवल 10-12 घंटे की ऑक्सीजन–अपोलो अस्पताल में बिना किसी विकल्प के सभी रोगियों के लिए केवल 10-12 घंटे की ऑक्सीजन आपूर्ति उपलब्ध है। अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई में होने वाली देरी का गंभीर असर 350 से अधिक कोविड-19 मरीजों पर पड़ेगा जो ऑक्सीजन पर निर्भर हैं।

दिल्ली सरकार ने की यूपी सरकार से बात–दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री का दावा है कि सोमवार को दिल्ली को 240 मीट्रिक टन, मंगलवार को 365 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिली, जबकि इस समय दिल्ली को रोजाना 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है। ऑक्सीजन की कमी को लेकर दिल्ली सरकार ने कल यूपी सरकार से बात की ताकि यूपी के मोदीनगर से दिल्ली को लगातार ऑक्सीजन मिलती रहे।

लखनऊ के दो बड़े प्राइवेट अस्पतालों में खत्म हुआ ऑक्सीजन–यूपी की राजधानी लखनऊ के अस्पतालों में ऑक्सीजन का भारी संकट खड़ा हो गया है। सबसे बड़े जिला अस्पताल बलरामपुर में कुछ ही घंटों का ऑक्सीजन बचा है। प्राइवेट अस्पतालों में ऑक्सीजन का स्टॉक खत्म हो गया है। मेयो हॉस्पिटल ने गेट के बाहर ऑक्सीजन का स्टॉक खत्म होने और अपने मरीजों को हायर सेंटर ले जाने का नोटिस चिपका दिया है। टीएस मिश्र हॉस्पिटल ने भी मरीजों को ले जाने के लिए कह दिया है। कुछ और प्राइवेट अस्पतालों में भी ऑक्सीजन खत्म होने की बात कही जा रही है।

नासिक में ऑक्सीजन टैंकर लीक होने से रुकी सप्लाई, 22 लोगों की मौत

नासिक। देश में कोरोना वायरस महामारी की वजह से उपजे ऑक्सीजन संकट के बीच बुरी तरह प्रभावित राज्य महाराष्ट्र से एक बेहद दर्दनाक खबर मिली है। महाराष्ट्र के नासिक में डॉ. जाकिर हुसैन अस्पताल के बाहर ऑक्सीजन टैंकर लीक होने से 22 लोगों ने दम तोड़ दिया। लीकेज के कारण अस्पताल में 30 मिनट तक ऑक्सीजन सप्लाई बाधित रही। इसके कारण वेंटिलेटर पर रखे गए 22 मरीजों की मौत हो गई। खबरों के मुताबिक, अभी कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि संभवतः ऑक्सीजन सप्लाई में आई रुकावट की वजह से इन मरीजों की मौत हुई है। जिला कलेक्टर के मुताबिक, इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब 22 हो गई है। बता दें कि पहले हादसे में 11 लोगों के मारे जाने की जानकारी मिली थी। खबर के मुताबिक, अस्पताल में करीब 171 मरीजों को ऑक्सीजन दी जा रही है। मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंच गई है और बचाव कार्य जारी है। महाराष्ट्र के एक अन्य मंत्री डॉक्टर राजेंद्र शिंगणे ने हादसे को लेकर कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हमें 11 लोगों की मौत के बारे में पता लगा है। हम विस्तृत रिपोर्ट पाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने जांच के भी आदेश दे दिए हैं। हादसे के लिए जो भी जिम्मेदार होगा उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताय, टैंकर के वॉल्व्स में खराबी के चलते इतनी बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन का रिसाव हुआ। यह निश्चित है कि अस्पताल पर इसका असर जरूर हुआ होगा लेकिन हमें अभी और जानकारी हासिल करनी है। पूरी जानकारी मिलने के बाद हम प्रेस नोट जारी करेंगे। नासिक के डिविजनल कमिश्नर राधाकृष्ण गामे ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना सुबह 10 बजे हुई, जब ऑक्सीजन टैंक में खराबी आ गई। अस्पताल प्रशासन ने कुछ मरीजों को शिफ्ट किया, फिर भी ऑक्सीजन प्रेशर कम होने की वजह से 22 मरीजों की मौत हो गई। घटना के बाद मरीजों के रिश्तेदार वार्ड में घुस गए और हंगामा करने लगे। इससे स्थिति को बहाल करने में समय लगा। बता दें कि महाराष्ट्र देशभर में कोरोना की सबसे बुरी मार झेल रहा है। यहां हर दिन कोरोना वायरस के 50 हजार से ज्यादा नए संक्रमित मिल रहे हैं तो वहीं सैकड़ों लोगों की जान भी जा रही है।

पीएम मोदी और अमित शाह ने हादसे पर जताया शोक, की जांच की मांग

नई दिल्ली। नासिक के जाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक रिसाव की वजह से एक गंभार हादसा हो गया. ऑक्सीजन के रिसाव की वजह से अस्पताल में आग लग गई. इस हादसे में अब तक 22 मरीजों की मौत हो गई है. जिसके बाद हड़कंप मच गया. जिस वक्त ये घटना हुई, तब अस्पताल में 171 मरीज थे. हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है. पीएम मोदी ने हादसे पर शोक प्रकट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है, हादसा दिल दहला देने वाला है. हादसे में होने वाले जानमाल के नुकसान से मन खिन्न हो गया है इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना मैं अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं. वहीं इस हादसे पर गृहमंत्री अमित शाह ने भी दुख व्यक्त किया है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि इस हादसे पर जान और माल का बड़ा नुकसान हुआ है. अमित शाह ने मृतकों के परिजनों को सांत्वना देते हुए ट्विटर पर लिखा है, दुर्घटना की खबर सुनकर मैं बहुत ही व्यथित हो गया हूं, मैं इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं.

सरकार पर बरसीं प्रियंका गांधी, कहा– सबसे ज्यादा ऑक्सीजन उत्पादक देश में कमी क्यों?

नई दिल्ली। देशभर में महामारी कोरोनावायरस से हाहाकार मचा हुआ है. सभी अस्पतालों में बेड, इंजेक्शन, दवाईयां और ऑक्सीजन की भारी कमी देखी जा रही है. देश में कोरोना और मेडिकल सुविधाओं की स्थिति पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर हमला बोला है. इसके साथ ही उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार से कई सवाल भी पूछे हैं. प्रियंका गांधी ने कहा, आज देशभर से रिपोर्ट आ रही हैं कि बेड, ऑक्सीजन, रेमडेसिविर, वेंटिलेटर की कमी है। पहली वेव और दूसरी वेव के बीच हमारे पास तैयारी करने के कई महीने थे। भारत की ऑक्सीजन प्रोडक्शन कैपेसिटी दुनिया में सबसे बड़ी है, ऑक्सीजन को ट्रांसपोर्ट करने की सुविधा नहीं बनाई गई. उन्होंने सराकार से सवाल पूछते हुए कहा, सरकार ने जनवरी से मार्च महीने में कोरोना वायरस की 6 करोड़ वैक्सीन निर्यात की और इसी समय में 3-4 करोड़ भारतीयों को वैक्सीन दी। आपने भारतीयों को प्राथमिकता क्यों नहीं दी? ऑक्सीजन की कमी पर प्रियंका गांधी ने कहा, कितनी बड़ी त्रासदी है कि देश में ऑक्सीजन उपलब्ध है लेकिन जहां पहुंचना चाहिए वहां पहुंच नहीं पा रहा है. पिछले 6 महीने में 1.1 मिलियन रेमडेसिविर इंजेक्शन का निर्यात हुआ है और आज हमारे पास इंजेक्शन की कमी है.

मप्र की शिवराज सरकार का फैसला सबको मुफ्त मिलेगा कोरोना टीका

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने ऐलान किया है कि राज्य में 1 मई से 18 या इससे अधिक उम्र के सभी लोगों को मुफ्त कोरोना टीका लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस फैसले पर मुहर लगाई गई है। इससे पहले बीजेपी शासित उत्तर प्रदेश और असम सरकार ने सभी को मुफ्त कोरोना टीका लगाने का ऐलान किया है तो पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने भी बुधवार को यह घोषणा की। 19 अप्रैल को केंद्र सरकार ने घोषणा की कि 1 मई से 18 और इससे अधिक उम्र के लोगों को भी कोरोना का टीका लगाया जाएगा। राज्य सरकारों और प्राइवटे अस्पतालों को भी उत्पादकों से वैक्सीन खरीद की छूट दी गई है। केंद्र सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, वैक्सीन कंपनियां 50 फीसदी आपूर्ति केंद्र सरकार को देंगी तो 50 फीसदी राज्य सरकारों और खुले बाजार में बेचने की छूट दी गई है। इसके लिए कंपनियों को 1 मई से पहले कीमत की घोषणा करनी है। बुधवार को सीमर इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कहा कि राज्य सरकारों को कंपनी 400 रुपए प्रति डोज के हिसाब से टीका देगी तो निजी अस्पतालों को 600 रुपए प्रति डोज के हिसाब से आपूर्ति की जाएगी। इस बीच कई राज्य सरकारों ने सभी व्यस्कों को मुफ्त करोना टीका देने का ऐलान किया है।

डबल के बाद अब कोरोना के ट्रिपल म्यूटेशन वाले वेरिएंट ने बढ़ाई चिंता!

ट्रिपल म्यूटेशन यानी कोरोना के तीन अलग-अलग स्ट्रेन का मिलकर एक नया वेरिएंट बनना। देश के कुछ हिस्सों में कोरोना का यह ट्रिपल म्यूटेशन वेरिएंट मिलने की खबर है। एनडीटीवी की खबर के मुताबिक, महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में यह ट्रिपल म्यूटेंट वायरस मिला है।

नई दिल्ली। भारत में मंगलवार को कोरोना वायरस के करीब 3 लाख नए मामले आए और इस दौरान 2 हजार से ज्यादा लोगों ने इस वायरस के आगे दम तोड़ दिया। देश में हर दिन बढ़ते मामलों के पीछे अभी तक डबल म्यूटेशन वाले वेरिएंट को जिम्मेदार बताया जा रहा था। हालांकि, अब एक और चुनौती देश के सामने आ गई है और वह है कोरोना वायरस का ट्रिपल म्यूटेशन। ऐसा माना जा रहा है कि भारत में कोरोना के ट्रिपल म्यूटेशन वाले वेरिएंट ने दस्तक दे दी है। ट्रिपल म्यूटेशन यानी कोरोना के तीन अलग-अलग स्ट्रेन का मिलकर एक नया वेरिएंट बनना। देश के कुछ हिस्सों में कोरोना का यह ट्रिपल म्यूटेशन वेरिएंट मिलने की खबर है। एनडीटीवी की खबर के मुताबिक, महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में यह ट्रिपल म्यूटेंट वायरस मिला है। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनियाभर में कोरोना के तेज रफ्तार से बढ़ते मामलों की वजह इसके नए वेरिएंट ही हैं। दरअसल, वायरस जितना फैलता है, यह अपनी कई कॉपी बनाता है और इसमें कई बदलाव होते हैं।

क्या है ट्रिपल म्यूटेशन?

भारत में इससे पहले डबल म्यूटेशन वाला वेरिएंट मिला था यानी जिसमें कोरोना के दो अलग स्ट्रेन मिल गए हों। अब मिले ट्रिपल म्यूटेशन वेरिएंट में कोरोना के तीन स्ट्रेन मिल गए हैं।

कहां मिला है यह नया म्यूटेशन?

अभी तक महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में कोरोना के ट्रिपल म्यूटेशन वेरिएंट के मिलने की खबर है।

क्या ट्रिपल म्यूटेशन संक्रामक है?

विशेषज्ञों का मानना है कि वायरस में हो रहे म्यूटेशन की वजह से ही सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरी दुनिया में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि, ट्रिपल म्यूटेशन वेरिएंट कितना घातक है या यह कितनी तेजी से फैलता है, इसका पता लगाने के लिए अभी शोध करने पड़ेंगे। मौजूदा समय में भारत की 10 लैब में वायरस की जीनोम सिक्वेंसिंग हो रही है। डबल म्यूटेंट की वजह से न सिर्फ रोजाना आने वाले मामले तेजी से बढ़े बल्कि इस बार बच्चों पर भी यह वायरस असर कर रहा है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

कोरोना के विरूद्ध मैदान में उतरने के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं - मुख्यमंत्री श्री चौहान

संक्रमण तेजी से फैल रहा है, सावधानी और सहयोग जरूरी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभारी मंत्रियों के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के संदर्भ में कहा है कि कोरोना केविरूद्ध यह युद्ध है और मैदान में उतरने के अलावा हमारे सामने कोई और रास्ता शेष नहीं है। हम सब मिलकर इस चुनौती का सामना करें। स्वयं पर संयम और सकारात्मक रहते हुए लगातार अपने प्रयासों में जुटे रहें। हमारी विजय निश्चित है। मुख्यमंत्री श्री चौहान कोरोना संक्रमण नियंत्रण के संबंध में निवास से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रभारी मंत्रियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस तथा अन्य अधिकारी मंत्रालय से सम्मिलित हुए। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने कोरोना की स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जन-जन का सहयोग लेने के साथ सेना का सहयोग भी लिया जा रहा है। आज सेना के अधिकारियों ने सेना के अस्पतालों को उपलब्ध कराने और मरीजों के आवागमन के लिए वाहनों का सहयोग देने पर सहमति दी।

30 अप्रैल तक सीमित रखें गतिविधियाँ-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 30 अप्रैल तक एक लाख लोगों में संक्रमण फैलने का अनुमान था, पर एक लाख की संख्या प्रदेश में अभी ही हो रही है। हमारा स्वास्थ्य अमला, पुलिस प्रशासन के लोग, अन्य फ्रंटलाइन वर्कर संक्रमित हो रहे हैं। अतरू स्वयं को और प्रदेश को बचाने के लिए कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ना आवश्यक है। इसके लिए प्रदेश की जनता को यह फैसला लेना होगा कि 30 अप्रैल तक हम अपने घर, गाँव, मोहल्ले, कॉलोनी से बाहर नहीं निकलेंगे। स्वयं पर यह नियंत्रण लगाकर और प्रण करके हम कोरोना के विरूद्ध युद्ध में अपना सहयोग दे सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिलों के प्रभारी मंत्रियों को कहा कि वे अपने-अपने जिलों में जन-सामान्य को इस संबंध में जागरूक और प्रेरित करें।

होम आयसोलेशन के लिए जागरूक और प्रेरित करना आवश्यक-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन व्यापक स्तर पर टेस्ट की व्यवस्था कर रहा है। टेस्ट की रिपोर्ट 24 घंटे में आए यह सुनिश्चित किया जा रहा है। टेस्ट का सैम्पल देने के बाद स्वयं को आयसोलेट करना और परिवार के सदस्यों से भी नहीं मिलना आवश्यक है। टेस्ट की रिपोर्ट यदि पॉजिटिव आती है तो स्वयं को होम आयसोलेशन में रखना बेहतर है। होम आयसोलेशन में रहते हुए डॉक्टर की निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। प्रभावित व्यक्तियों को मेडिकल किट उपलब्ध कराने और टेलीमेडिसिन के द्वारा डॉक्टरों के सम्पर्क में रहने की व्यवस्था है। जिन व्यक्तियों के घर छोटे हैं और आयसोलेशन की उपयुक्त व्यवस्था नहीं है, उनके लिए कोविड केयर सेंटर की व्यवस्था की गई है। सभी जिलों में कोविड केयर सेंटर संचालित हो रहे हैं।

पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था करें कलेक्टर-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभारी मंत्रियों को होम आयसोलेशन व्यवस्था को प्रोत्साहित करने और कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से स्वयं भी मरीजों के टेलीफोनिक सम्पर्क में बने रहने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि होम आयसोलेशन व्यवस्था से अस्पतालों पर दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। जिलों में कोविड केयर सेंटर तथा अन्य व्यवस्थाओं केलिए पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था करने के लिए कलेक्टरों को आवश्यक आवंटन उपलब्ध कराया गया है। इसमें किसी भी तरह की कमी नहीं रहने दी जाए।

ऑक्सीजन की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहाकि ऑक्सीजन की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है। भारत सरकार के सहयोग से राज्य को पर्याप्त ऑक्सीजन आवंटित हुई है। विभिन्न राज्यों से समन्वय और विशेष व्यवस्था कर ऑक्सीजन के टैंकर लाए जा रहे हैं। टैंकरों के आवागमन में विभिन्न राज्यों से आवश्यक समन्वय के लिए सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया को दायित्व सौंपा गया है। आगामी 30 अप्रैल तक 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए 105 टैंकरों की आवश्यकता होगी, जिनमें से 53 टैंकरों की व्यवस्था हो गई है। शेष के लिए प्रयास जारी हैं। प्रदेश में अगले तीन सप्ताह से तीन महीने में ऑक्सीजन के 37 प्लांट स्थापित कर दिए जाएंगे। सारणी और खण्डवा के ताप विद्युत गृहों से 200 सिलेंडर प्रतिमाह ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। ऑक्सीजन के लिए जिला स्तर पर कंसंट्रेटर की व्यवस्था भी की जा रही है। इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके विरूद्ध रासुका के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

पुन-आरंभ होगा काढ़ा वितरण-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर जैसे शहरों में दो-दो हजार बिस्तरों और बाकी बड़े शहरों में एक-एक हजार बिस्तरों की व्यवस्था की जा रही है। प्रभारी मंत्री, कोरोना वॉलेंटियर्स और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए काढ़ा वितरण का कार्य पुन- आरंभ किया जाएगा। इसके साथ ही जन-जन को प्राणायाम और योग के लिए प्रेरित किया जाए। इसमें नवीनतम तकनीक का सहयोग भी लेना होगा।

रेलवे भी कर रहा है बिस्तरों की व्यवस्था-वीडियो कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 407 निजी अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता और फीस आदि संबंधित पैकेज की जानकारी अस्पताल में प्रदर्शित की जा रही है। यह जानकारी सार्थक एप पर भी उपलब्ध है। बैठक में जानकारी दी गई कि पश्चिमी रेलवे 50 बोगियों में आई.सी.यू. बेड बनाकर उपलब्ध करा रही है, जो बड़े स्टेशनों पर रखे जाएंगे।

कुंभ से आने वालों को आयसोलेट करें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हरिद्वार कुंभ से आने वाले लोगों और विभिन्न प्रदेशों से आ रहे श्रमिकों तथा अन्य व्यक्तियों को ग्रामों में आयसोलेट करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इन व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टरों को तीन-तीन करोड़ रूपए उपलब्ध कराए गए हैं।

बीना में बनेगा एक हजार बिस्तर का अस्थाई अस्पताल-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बुंदेलखण्ड के जिलों के लिए बीना रिफायनरी के पास एक हजार बिस्तरों का अस्थाई अस्पताल विकसित किया जाएगा।

झूठी अफवाहों का तत्काल खंडन आवश्यक-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहाकि संक्रमण रोकने केलिए छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, खण्डवा जिलों द्वारा किए गए नवाचार प्रभावी रहे हैं। अन्य जिले भी अपने स्तर पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार पहल करें। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री कोरोना संक्रमण से बचाव की पूरी सावधानी बरतते हुए जनता से निरंतर सम्पर्क में और संवाद में रहें। इससे जन-सामान्य का विश्वास बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के प्रबंधन को लेकर आ रही झूठी अफवाहों का तत्काल खंडन करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में आए बिन्दु-मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि कोविड अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति से परिवार वालों को अवगत कराने के लिए सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की जाए। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि वे स्वयं कमाण्ड कंट्रोल सेंटर जाकर मरीजों से बात कर रहे हैं। मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने बताया कि शिवपुरी में विधायक फण्ड से ऑक्सीजन संयंत्र लगाया जा रहा है। वी.सी. में बताया गया कि गूगल मीट के माध्यम से मरीजों, उनके परिजनों और अधिकारियों के बीच बातचीत की व्यवस्था की गई है। इससे परस्पर विश्वास बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

जिला प्रशासन ने मुरैना नगर निगम के अंतर्गत होम क्वारंटाइन मरीजों से गूगल मीट के माध्यम से संपर्क कर पूछा हाल-चाल

मुरैना। जिले में लगातार कोरोना वायरस के मरीज बढ़ रहे हैं, इसको दृष्टिगत रखते हुए बिना सिम्टम वाले मरीजो को घरो पर भी रखा जा रहा है। उन मरीजो का हालचाल जानने के लिए कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने अलग-अलग 26 दल बनाये है। ये दल प्रतिदिन दो बार उन व्यक्तियों के घर पहुंच कर उनका हालचाल, आवश्यक वस्तुएं जैसे राशन, दूध, किराना आदि की जानकारी प्राप्त करते हैं। उन्हें संबंधित दूध, किराना खरीदने के लिए मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराते हैं। जिससे होम डिलीवरी उन्हे प्राप्त हो सके। इसके अलावा कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन को निर्देश दिये कि ये टीम तो पहुच रही होगी फिर भी गूगल मीट के माध्यम जो व्यक्ति होम क्वारनटाम है उनसे भी संपर्क किया जाये।

चोरी छिपे दुकानों पर भीड़ एकत्रित कर माल बेचने वाले

व्यापारियों को पुलिस ने दबोचा की धारा 188 की कार्यवाही

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु भिंड कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के द्वारा कोरोना कर्फ्यू के तहत धारा 144 जा. फो. के अंतर्गत संपूर्ण जिले में निषेधाज्ञा लागू की गई है। इसी के अंतर्गत आज गोहद नगर के 07 व्यापारी नगर के बाजार में चोरी छुपे कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करते हुए अपने अपने प्रतिष्ठानों से माल बिक्री करते हुए पाए गए जिस पर पुलिस ने इन्हें दुकानों पर बिक्री करते हुए रंगे हाथों दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार सदर बाजार स्थित साड़ी सेंटर की दुकान पर मयंक उर्फ मोंटी गोयल पुत्र राकेश गोयल निवासी वार्ड क्रमांक 6 सदर बाजार, मारकंडेश्वर मंदिर की गली में कपड़े की दुकान पर विनोद कुमार पुत्र हरीश चंद्र जैन निवासी वार्ड क्रमांक 14, अमनदीप एंपोरियम सती बाजार व्यापारी दीप गुप्ता पुत्र नरेश चंद्र गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 15 सती बाजार, नया बस स्टैंड नाश्ता की दुकान पर घनश्याम पुत्र मुन्ना लाल गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 07, सदर बाजार शिवम एंपोरियम कपड़े की दुकान पर व्यापारी सुभाष पुत्र छोटे लाल बंसल निवासी वार्ड क्रमांक 07 इटयली गेट गोहद, इटयली गेट के पास संजय क्लॉथ स्टोर कपड़े की दुकान व्यापारी संजय पुत्र कैलाश चंद्र गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 15, सती बाजार गोहद में दीपक रेडीमेड कपड़े की दुकान व्यापारी दीपक कुमार पुत्र ज्ञानचंद जैन निवासी वार्ड क्रमांक 7 इन सभी के द्वारा अपनी-अपनी दुकानों पर भीड़ एकत्रित कर सामान की बिक्री की जा रही थी जिससे कोरोनावायरस फैलने की संभावना थी इसी के चलते गोहद थाना प्रभारी नरेंद्र कुशवाह के द्वारा मय फोर्स के साथ इन सभी दुकानों पर पहुंच कर व्यापारियों को पकड़ कर थाना लाया गया और इनके विरुद्ध थाना गोहद में धारा 188 एवं धारा 269 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। इसी प्रकार हनुमान चौराहा मालनपुर में नाश्ता की दुकान खोल कर उस पर भीड़ एकत्रित की जा रही थी। जिस पर संतोष पुत्र श्यामसुंदर दर्जी निवासी वार्ड क्रमांक 9 गोहद पर थाना मालनपुर में धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कटिंग की दुकान खोलने पर 188 की कार्यवाही- थाना गोहद चौराहा के अंतर्गत गोहद चौराहा पर जैन मंदिर वाली गली शमशाद पुत्र रज्ज़ाक खान तथा हनीफ पुत्र पप्पू खान निवासीगण जैन मंदिर वाली गली वार्ड क्रमांक 18 गोहद चौराहा के द्वारा पप्पू मलहा के मकान में कटिंग की दुकान खोल कर दुकान में भीड़ एकत्रित कर कुछ लोगों के बाल काटे जा रहे थे। जिससे कोरोना वायरस फैलने का खतरा उत्पन्न हो रहा था। जिस पर थाना गोहद चौराहा में धारा 188 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई।

भागवत कथा का आयोजन करने पर 188 की कार्रवाई- थाना एंडोरी के अंतर्गत नागेंद्र पुत्र विशंभर सिंह परमार निवासी ग्राम भीकमपुरा के द्वारा भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा था। भागवत कथा में लोगों की भीड़ एकत्रित होने पर उसके विरुद्ध थाना एंडोरी में धारा 188 की कार्यवाही की गई है।

इनका कहना है

कोरोनावायरस के प्रकोप के चलते कलेक्टर महोदय द्वारा जिले में धारा 144 लगाई गई है लेकिन काफी समझाइस के बाद भी कुछ दुकानदारों द्वारा पालन नहीं किया जा रहा था जिस पर भीड़ एकत्रित करने वालों के ऊपर प्रकरण दर्ज किया है

नरेंद्र सिंह सोलंकी एसडीओपी गोहद

लॉकडाउन का पालन करवाने के लिए पुलिस प्रशासन हुआ सख्त

सीएसपी आनंद राय एव एसडीएम उदय सिंह सिकरवार ने बे बजह घूमने वाले लोगों पर की कार्रवाई

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। जिले में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए भिंड कलेक्टर ने 7 दिन के लिए 6-11 बजे तक कि राहत देकर लॉक डाउन घोषित किया है। वही जिला कलेक्टर के आदेशानुसार पुलिस व प्रशासन द्वारा लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई जो व्यक्ति बिना माक्स के घूम रहे थे उनका 100 रुपये व शारीरिक दूरी का उल्लंघन करने वालों का 100 रुपये चालान बनाया गया ओर उन्हें फटकार लगाते हुए सख्त हिदायत दी गई

इस महामारी समय में घर से बाहर निकलने पर मास्क अनिवार्य किया गया बतादे की पुलिस व प्रशासन द्वारा कोरोना वायरस के बचाव के चलते भिण्ड में लॉकडाउन के दौरान नियमों का पालन सख्ती से करवाया जा रहा है साथ ही जो नागरिक इसका उल्लंघन कर रहे हैं उसके साथ सख्ती की जाकर चालानी कार्रवाई की जा रही है शहर में तैनात पुलिसकर्मी व राजस्व अमले की टीम व नपा कर्मचारी नियमों का पालन कराने व इस महामारी समय में शारीरिक दूरी का पालन करने की सीख दे रहे है ओर लॉकडाउन का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं। एस डी एम उदय सिंह सिकरवार ,नायाब तहसीलदार प्रमोद गर्ग सीएमओ सुरेंद्र शर्मा सी एस पी आनंद राय उपनिरीक्षक जीतेंद्र सिंह तोमर, गौरब मिश्रा,सतेंद्र यादव, महिला कांस्टेबल निक्की शर्मा आदि ने लॉकडाउन का शक्ति से पालन कराया वही सी एस पी आनंद रॉय का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान अति आवश्यक काम होने पर ही घरों से बाहर निकले कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए अपने घरों में रहकर ही सुरक्षति रहें वर्तमान में कोरोना वैश्विक महामारी है जिसकी सुरक्षा ही बचाव है बिना किसी काम के बेवजह घरों से ना निकले अन्यथा बेवजह घरों से निकलने वालों लोगों के खिलाफ पुलिस व प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी पुलिस व प्रशासन के प्रयास व सतर्कता के कारण भिण्ड में शत प्रतिशत टोटल लॉक डाउन का नागरिकों द्वारा पालन किया गया।

नवरात्रे के नौवें दिन कुछ अलग तरीक़े से किया कन्या पूजन

राहुल कुशवाह

मालनपुर। किशोरीलवर्स के सदस्य (केशव पटेल, अंशु सविता, प्रतीक सिंघल, प्रधूमन श्रीवास, आकाश रघुवंशी, दीप्ति भदोरिया मनश्वी सेंगर) द्वारा झुगियो में रह रहे बच्चों को खाना खिलाकर उनका पूजन किया एवं बच्चों को भेंट के रूप पैसे ना देकर उनको शिक्षा हेतु सामग्री दी गयी। जिसे भविष्य में उनको शिक्षा ग्रहन करते समय सहायता मिलें ।

शातिर नकबजनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद- भिंड पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे एवं गोहद एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में दिनांक 20/4/2021 को मुखबिर की सूचना पर आरोपी कलियान कुशवाह पुत्र गरीबे कुशवाह उम्र 26 वर्ष निवासी असवार थाना असवार जिला भिंड को रमन पुरा मोड ऐंचाया रोड गौहद से गिरफ्तार किया गया जिस पर तलाशी के दौरान 315 बोर का कट्टा एवं एक जिंदा राउंड जप्त किया गया आरोपी के विरुद्ध थाना गोहद में अपराध क्रमांक 134/21 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी कल्याण कुशवाह पुत्र गरीबे कुशवाह उम्र 26 वर्ष निवासी असबार शातिर नकबजन है जिसके विरुद्ध जिला दतिया एवं जिला भिंड में चोरी ,नकबजनी एवं डकैती की योजना सहित कुल 15 अपराध पंजीबद्ध है आरोपी को गिरफ्तार करने में मुख्य भूमिका निरीक्षक का. नरेंद्र सिंह कुशवाह , उप निरीक्षक आशीष यादव, सहायक उप निरीक्षक का. भानु प्रताप सिंह यादव, सहायक उपनिरीक्षक का.प्रमोद पावन, प्रधान आरक्षक का. प्रदीप केन, आरक्षक आसिफ खान, आर.संतोष कुमार, आर.धर्मेंद्र सिंह एवं आर. परशुराम की मुख्य भूमिका रही।

जिले में वाहर से आ रहे लोगों को कोविड संक्रमण संबंधी सलाह के एसएमएस भेज किया जा रहा है जागरूक

नीरज त्रिपाठी जिला ब्यूरो चीफ भिण्ड

भिण्डाकलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जिले में एक नवीन पहल के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न माध्यमों से जिले में कोविड हॉट्स्पाट से आ रहे व्यक्तियों की जानकरी संकलित की जा रही है।ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत के माध्यम से पंचायतों वार जानकरी संकलित की जा रही है। नगरीय क्षेत्रों में नगरीय निकायों द्वारा वार्ड वार दल गठित कर जानकारी संकलित की जा रही है साथ ही बरही अंतर राज्य नाके से आने वाले व्यक्तियों की जानकारी संकलित की जा रही है इसके अलावा बाहर से आने वाले स्वयं जिले में स्थापित डेडिकेटेड कोविड कॉल सेंटर पर कॉल करके भी अपनी जानकारी प्रदान कर सकते हैं। इन माध्यमों से संकलित जानकारी अनुसार पहले से प्रचलित माध्यम के साथ अब एसएमएस के माध्यम से भी बाहर से आ रहे व्यक्तियों को 10 दिवस के लिए घर में आईसोलेट/क्वारनटाईन रहने की हिदायत,स्वास्थ संबंधी सलाह, टेली मैडिसिन हेल्पलाइन नंबर 8349274001 एवं डिस्ट्रिक्ट हेल्पलाइन नंबर 07534-230013 की जानकारी भेजी जा रही इसके साथ होम आईसोलेशन में रह रहे संक्रमित व्यक्तियों को भी स्वास्थ्य एवं अन्य जानकारी संबंधी एसएमएस भेजे जा रहे हैं। जिससे वे स्वयं को परिवार को और समाज को इस संक्रमण से बचा पायें। अभी तक इस माध्यम से 500 से ज्यादा व्यक्तियों को एसएमएस भेजे गये यह कार्य प्रतिदिन नियमित किया जायेगा।

कोरोना संक्रमण के विरूद्ध आर्ट ऑफ लिविंग करेगा मध्यप्रदेश का सहयोग

शिवपुरी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के विरूद्ध रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और कोरोना से प्रभावित व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए योग और आयुर्वेद का सहयोग लिया जाएगा। इस दिशा में श्री श्री रविशंकर ने राज्य सरकार को सहयोग का आश्वासन दिया है। इस संबंध में श्री श्री रविशंकर से फोन पर बात हुई है। आर्ट ऑफ लिविंग की टीम योग, आयुर्वेद और मरीजों की मनोस्थिति को कमजोर तथा नकारात्मक होने से बचाने और उनका मनोबल बनाए रखने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देने में सहयोग प्रदान करेगी। कोविड महामारी को लेकर मन में बैचेनी, व्यग्रता, चिंता, तनाव और अवसाद जैसी स्थितियों को बनने से रोकने में सहयोग करने के साथ संक्रमण अवधि में उपचार के दौरान मरीज को स्वास्थ्यप्रद पौष्टिक आहार लेने के संबंध में भी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। होम आयसोलेशन तथा कोविड केयर सेंटर में रह रहे व्यक्तियों को वीडियो कॉल, फोन कॉल के माध्यम से योग, प्राणायाम, आसन तथा आहार के संबंध में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। जन अभियान परिषद इस गतिविधि में आवश्यक समन्वय और सहयोग करेगा।

मैरिज गार्डनों, होटल, अन्य संस्थानों में विवाह समारोह के लिये शर्तों के अधीन अनुमति दी जायेगी

मुरैना। कोरोना वायरस संक्रमण (कोविड-19) से उत्पन्न आपदा की स्थिति के नियंत्रण हेतु जिलास्तरीय संकट प्रबंधन समूह (काइसेस मेनेजमेंट ग्रुप) की बैठक सोमवार को दोपहर 02.00 बजे नवीन कलेक्ट्रेट भवन मुरैना सभागार में आयोजित की गई, जिसमें कोरोना संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए, सर्वसम्मात से जिला मुरैना अंतर्गत मैरिज गार्डनों, होटल, अन्य संस्थानों में विवाह समारोह आदि आयोजित करने हेतु कुछ शर्तो के अधीन अनुमति प्रदान दी जायेगी। मैरिज गार्डन, होटल में विवाह आदि समारोह आयोजित करने से पूर्व वर, वधु दोंनो पक्षों को संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति लेना आनिवार्य रहेगा, विवाह समारोह हेतु वर-वधु दोनों पक्षो को मिलाकर अधिकतम कुल 50 व्यक्तियों (जिसमें रिश्तेदार, बैड, घोडी वाला आदि शामिल होगे) की ही अनुमति प्रदान की जावेगी। विवाह समारोह में सम्मिलित व्यक्तियों की सूची को अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार द्वारा सत्यापित किया जावेगा, मैरिज, गार्डनों, होटल के सचालकों को विवाह समारोह आदि में कोविड गाइडलाइन का पालन करने का शपथ-पत्र संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। गार्डन परिसर में कोविड नियमों के पालन की निगरानी हेतु सी.सी.टी.वी कैमरा लगवाना अनिवार्य रहेगा एवं वीडियों रिकार्डिंग संबंधित एस.डी.एम. को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। मैरिज गार्डन संचालक कुल समस्त स्टाफ (जिसमें वेटर, हलवाई, सफाईकर्मी, डेकोरेशन तथा अन्य सहयोंगी) की सूची संबंधित अनुविभागीय अधिकारी को सौंपने के लिये कोविड-19 की रोकथाम हेतु प्रदेश शासन और जिला प्रशासन से जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करना अनिवार्य होगा। निर्देशों का उल्लघंन करते पाये जाने पर मैरिज गार्डन-होटल संचालकों तथा संबंधित वर-वधु पक्षो के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 51 से धारा 60 एवं भारतीय दण्ड प्रकिया संहिता की धारा 188 के अधीन पृथक-पृथक कार्यवाही की जावेगी।

कोरोना पॉजिटिव को डर और अवसाद से मुक्ति के लिए

आचार्य आनंद क्लब ने शुरू किए ऑनलाइन उत्साह, उमंग और योग के कार्यक्रम

मुरैना। कोरोना की दूसरी लहर से कोरोना पॉजिटिव मरीजों में बढ़ रहे भय और टेंशन को दूर करने के लिए आचार्य आनंद क्लब द्वारा उत्साह, उमंग और योग कार्यक्रम ऑनलाइन शुरू किए गए हैं। इसका लाभ मुरैना के कोविड में भार्ती पॉजिटिव मरीजों को दिलाने हेतु एडीएम नरोत्तम भार्गव ने भी प्रभावी विचार किया है।कार्यक्रम के सूत्रधार मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर डॉक्टर सुधीर आचार्य ने बताया कि इस बार कोरोना पॉजिटिव मरीजों में जीवन को लेकर अधिक डर देखा जा रहा है। भय के असर से मरीजों को स्वस्थ होने में अधिक समय लगता है और कई बार अत्यंत डर के कारण अनहोनी भी हो जाती है। ऐसी स्थिति में कोरोना पॉजिटिव मरीजों को ऑनलाइन वीडियो कॉलिंग के माध्यम से वार्तालाप करके जिंदगी के प्रति उत्साह और उमंग पैदा करने का काम किया जा रहा है। कोरोना को लेकर उनकी भ्रांतियां दूर की जा रही हैं। उन्हें एक्सरसाइज योग प्राणायाम कराते हुए, कुछ मंनोरंजन करते हुए एहसास कराया जा रहा है कि वह जल्द सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

डॉ आचार्य ने बताया कि अभी यह सब कार्य कोरोना पॉजिटिव मरीजों के परिजनों द्वारा पेशेंट का व्हाट्सएप नंबर उपलब्ध कराने पर भी किया जा रहा है लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोरोना पेशेंट वार्ड में टीवी स्क्रीन

से जोड़कर भी सभी पेशेंट को एक साथ मोटिवेशन का काम किया जा सकता है। इस दिशा में और प्रभावी पहल के लिए एडीएम नरोत्तम भार्गव ने आचार्य आनंद क्लब और आनंद विभाग के लोगों से चर्चा की है। डॉक्टर सुधीर आचार्य ने बताया कि हम जब लगातार बीमारी की और उसके फैलाओ की चिंता करते हैं और उस चिंता को अपनी आंतरिक ऊर्जा देते हैं तो वह बीमारी ठीक होने की जगह और फैलने लगती है इसकी जगह अगर हम खुशहाल जिंदगी का चिंतन करें और सारी ऊर्जा उसको दे तो बीमारी से निजात मिलने में बहुत बड़ी मदद मिलती है। डॉ आचार्य ने बताया कि इसमें जिला नोडल अधिकारी रामकुमार सिंह तोमर और आचार्य आनंद क्लब एवं आनंदक साथी बालकृष्ण शर्मा (प्रशिक्षक आर्ट ऑफ लिविंग), अरविंद मावई, विश्वनाथ गुर्जर, मनोज पंडित, अंकित मिश्रा, श्याम सिकरवार,दीपक भोला, दुष्यंत सिंह तोमर, अजय जैन,बिंदुसार सिंह तोमर, कृष्ण वीर सिंह तोमर,सुजाता तोमर बिंदु सोलंकी, सरिता उपाध्याय, वीरेंद्र शर्मा, महेंद्र सखवार प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

कोरोना के भय को दूर करने के लिए इन मोटीवेटर काउंसलर से संपर्क कर सकते हैं। कोरोना के भय को दूर करने के लिये मोटीवेटर काउंसलरों से संपर्क किया जा सकता है, इनमें डॉ सुधीर आचार्य 9826419439, सुशील फिजियोथेरेपिस्ट 8989046898, बालकृष्ण शर्मा 826285430, अजय जैन 9754119110, अरविन्द मावई 9826475332, विश्वनाथ गुर्जर 8871151190, श्याम सिकरवार 8878913013, दुष्यंत तोमर 9300912131, मनोज पंडित 9826272994, विंदु सार सिंह तोमर 9425739667, महेंद्र 9926243812, कृष्णवीर सिंह तोमर 7987938843, दीपक भोला 8770568941, अंकित मिश्रा 9926233459, सारिका चतुर्वेदी 9411836009, सुजाता तोमर 9009905236, बिंदु सोलंकी 6260463829 है।

एक नजर...

हर्ष फायरिंग करते हुए एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

एटा। जनपद में हर्ष फायरिंग करते हुए एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,यह वीडियो जन्मदिन की पार्टी सेलिब्रेट का बताया जा रहा है,जिले में आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन भी दिखाई दे रहा है। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के निधौली रोड पर स्थिति महारानी पैलेस के मालिक संजीव जादौन के बेटे का बताया जा रहा है।जनपद में शान और शौकत के चलते रसूखदार लोग हर्ष फायरिंग करने से कतई बाज नहीं आ रहे हैं,जबकि जिले में पंचायत चुनाव को लेकर आचार संहिता लगी हुई है,बाबजूद इसके इन रसूखदारो को पुलिस का कतई ख़ौफ़ नहीं है,आपको बता दें ये हर्ष फायरिंग करते वायरल वीडियो जिले के निधौली रोड पर स्थिति महारानी पैलेस गेस्ट हाउस के मालिक संजीव जादौन के बेटे शिवम जादौन का है,जो 20 अप्रैल की शाम को अपने साथियों के साथ एक बर्थडे पार्टी का सेलिब्रेशन के दौरान लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायरिंग कर रहा है,उसे न पुलिस का ख़ौफ़ है न ही किसी को गोली लग जाने का,वीडियो में ये रहीशजादे किस तरह से हर्ष फायरिंग करते हुए बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं।

पंचायत चुनाव में असलाह जमा नही किया–वही सबसे बड़ी बात यह है पंचायत चुनाव के दौरान सभी लाइसेंसी असलाह जमा किये जाने को लेकर जिला अधिकारी ने बहुत शख्ती बरती थी,बाबजूद इसके संजीव जादौन ने अपना असलाह जमा क्यों नही किया, या फिर असलाह जमा कराने वाले जिम्मेदार लोगों की इनपर मेहरवानी की। वही इस मामले में थाना प्रभारी कोतवाली नगर सुभाष वर्मा का कहना है कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं आया है अगर कोई वीडियो आया है तो उसकी जांच की जाएगी,अगर सही पाया गया तो कार्यवही की जाएगी।

अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर शेष कार्यालयों में 10 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति के निर्देश

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए कोविड-19 महामारी संक्रमण में निरंतर हो रही बढ़ोत्तरी को दृष्टिगत रखते हुए कोरोना संक्रमण से रोकथाम एवं बचाव के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। जिसके तहत केन्द्र सरकार के ऐसे कार्यालय, जो अत्यावश्यक सेवाएं प्रदान नहीं करते हैं, वह 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ कार्यालय चलायें। जारी आदेश के तहत अत्यावश्यक सेवाएं देने का कार्य करने वाले कार्यालयों को छोड़कर शेष कार्यालय 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ संचालित किये जावें। अत्यावश्यक सेवाओं में जिला कलेक्ट्रेट, पुलिस, आपदा प्रबंधन, फायर, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, जेल, राजस्व पेयजल आपूर्ति, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, विद्युत प्रदाय सार्वजनिक परिवहन, कोषालय आदि सम्मिलित हैं। जनसंपर्क कार्यालय शत-प्रतिशत क्षमता के साथ कार्य संपादित कर सकेंगे। आईटी कम्पनियों, बीपीओ, मोबाईल कंपनियों का सपोर्ट स्टॉफ एवं यूनिट्स को छोड़कर शेष निजी कार्यालय भी 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ अपना कार्य संपादित करेंगे। उक्त कार्यों में जो कर्मचारी कार्यालय नहीं आते हैं वे घर पर रहकर कार्यालय का कार्य संपादित करेंगे। ऑटो, ई-रिक्शा में दो सवारी, टैक्सी तथा निजी चार पहिया वाहनों में ड्रायवर तथा दो पैसेजरों को (मास्क के साथ) यात्रा करने की अनुमति होगी। सामाजिक (विवाह समारोह एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रम, मृत्युभोज, उठावनी आदि), राजनैतिक, खेलकूद, मनोरंजन, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सार्वजनिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए लोगों का एकत्रित होना पूर्णतः वर्जित रहेगा। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भारतीय दंड विधान 1860 की धारा 188 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 से 60 के अंतर्गत एवं महामारी अधिनियम 1897 तथा अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा स्थगित

शिवपुरी। ''राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति (एनएमएमएसएस) के लिए 2 मई 2021 को आयोजित होने वाली चयन परीक्षाश् को कोविड 19 की वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। परीक्षा की नवीन तिथि पृथक से घोषित की जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र के अपर संचालक श्री ओ. एल. मंडलोई ने बताया कि ह्रस्स्स्र परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि पूर्व में 15 अप्रैल थी, जिसे 15 मई 2021 तक बढ़ाया गया है। इच्छुक छात्र एमपी-ऑनलाइन के माध्यम से परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2008 में प्रारंभ की है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा नौवीं से बारहवीं तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये के मान से छात्रवृत्ति दी जाती है। कक्षा आठवीं में अध्ययनरत नियमित छात्र, जिन्होंने कक्षा सातवीं में कम से कम सी ग्रेड प्राप्त किया है और जिनके अभिभावकों की सकल वार्षिक आय एक लाख पचास हजार रूपए से अधिक नहीं है, इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह छात्रवृत्ति केवल शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त एवं स्थानीय निकायों के विद्यालयों में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों के लिए है।

कोविड-19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजनों को काउंसलिंग हेतु टीम गठित

शिवपुरी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ए.एल.शर्मा द्वारा प्रशासकीय कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला चिकित्सालय शिवपुरी के कोविड 19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजनों की प्रतिदिन काउंसलिंग हेतु टीमों का गठन किया है, उक्त टीम प्रतिदिन समय सारणी अनुसार मरीजों के परिजनों को काउसलिंग देना सुनिश्चित करेगी। गठित टीम नम्बर एक में पीजीएमओ मेडिसिन डॉ.दिनेश राजपूत (7697758554) एवं प्रभारी मैट्रन श्रीमती टीसा ओमेन (7987941350) प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, टीम नम्बर दो में पीजीएमओ मेडिसिन डॉ.चंदशेखर गुप्ता (9827562241), स्टाफ नर्स श्रीमती विनीता निरंजन (8319651457) सांयकाल 5 बजे से 6 बजे तक अपनी सेवायें देंगे। उक्त कर्मचारी कोविड-19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड में भर्ती मरीजों का एक व्हाट्सअप ग्रुप बनाना सुनिश्चित करेगें और मरीजों संबंधी जानकारी उक्त ग्रुप पर सेंड करेगें। संबंधित टीम कोविड-19 वार्ड के समीप हेल्प डेस्क में परामर्श देना सुनिश्चित करेगें।

कोविड-19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड में परामर्श एवं निगरानी हेतु अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्त

शिवपुरी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ए.एल.शर्मा द्वारा प्रशासकीय कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला चिकित्सालय शिवपुरी के कोविड 19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड में रेमडीशिविर इंजेक्शन को प्रोटोकॉल अनुसार परामर्श एवं सपांदन करने की निगरानी के लिए पीजीएमओ मेडिसिन डॉ.चंदशेखर गुप्ता को नोडल अधिकारी एवं प्रभारी मैट्रन श्रीमती टीसा ओम्मेन को सह नोडल अधिकारी तत्काल प्रभार से नियुक्त किया है। प्रशासकीय कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमती टीसा ओम्मेन, प्रभारी मैट्रन (मोबाईल-7987941350) को जिला चिकित्सालय शिवपुरी के कोविड 19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड की मैट्रन नियुक्त किया गया है तथा सहयोगी के रूप में सुश्री जिन्सी जोसफ, स्टाफ नर्स (मोबाईल-9669533965) को सह मैट्रन तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है। उक्त मैट्रन कोविड 19 आईसीयू एवं आईसोलेशन वार्ड की समस्त गतिविधियों के संधारण हेतु पूर्णरूप से जिम्मेदार होंगी। प्रतिदिन मरीजों को दिया जाने वाला उपचार, औषधि, भोजन, ऑक्सीजन एवं अन्य की व्यवस्थाओं का संधारण करना सुनिश्चित करेंगी।

व्यवसायिक शिक्षा में अतिथि शिक्षक की नियुक्ति में बरती गई

लापरवाही हुई उजागर जांच रिपोर्ट आने के बाद भी नहीं हुई दोषियों पर कार्रवाई जिला प्रशासन मौन

रितेश कटरे ब्युरो चिफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। शिक्षक ज्ञान का महासागर है। बच्चों के भविष्य को सवारने में शिक्षक का योगदान अतुलनीय है। शिक्षक नहीं तो देश की प्रगति भी नहीं। शिक्षक अपना सारा जीवन में बच्चो के विकास में समर्पित कर देते है। उनका सम्मान विद्यार्थी तह उम्र करेंगे। शिक्षक वह ज्ञान का प्रकाश है जो अन्धकार की राह को चीरकर ज्ञान की रोशनी भर देती है। शिक्षकों के बारे में कहा जाता है कि शिक्षक से गलती बहुत कम होती है और यदि गलती हो भी गई तो शिक्षक समय रहते अपनी गलती में सुधार कर लेते हैं किंतु शिक्षक के द्वारा अपनी गलती को छुपाना और उस पर पर्दा डालने वाला मामला सामने आया है।द्व बालाघाट जिले के विकासखंड लांजी अंतर्गत से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला के प्रभारी प्राचार्य का है। जंहा पर व्यावसायिक अतिथि शिक्षक की नियुक्ति में भारी लापरवाही बरती गई है। गलती के बारे में आवेदक के द्वारा कई बार ध्यानाकर्षण किया गया किन्तु मेरे मुर्गी की एक टांग की रट लगाए प्रभारी प्राचार्य अपनी गलती पर पर्दा डाल कर अपने आप को सही साबित करने में लगे रहे।

ये है पुरा मामला–शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर व्यावसायिक अतिथि शिक्षक भर्ती के लिए दिसंबर 2020 में आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आवेदन प्राप्ती पश्चात विद्यालय के द्वारा मैरिट लिस्ट तैयार की गई। प्रतिशत के आधार पर पुरनलाल मस्करे प्रथम स्थान, प्रेमानंद लिल्हारे द्वितिय स्थान और तिलेश्वर दमाहे तिसरे स्थान पर रहे।जिस पर आवेदक तिलेश्वर दमाहे ने आपत्ति जताई कि चयन प्रक्रिया में मास्टर डिग्री को प्राथमिकता न देकर बेचलर डिग्री को प्राथमिकता दी गई। जो यह दर्शाता है कि यहां की चयन प्रक्रिया अपने सगे संबंधियों को सांठगांठ कर की गई है और चयन प्रक्रिया में बहेला प्राचार्य प्रभारी एवं गणित विषय के व्याख्याता का पूर्ण योगदान है। जबकि नियुक्त आवेदक के पास नियुक्ति के दौरान अंतिम सेमेस्टर की अंकसूची उपलब्ध नहीं थी। जिसके पश्चात प्रथम जांच में नोडल अधिकारी के द्वारा सांठगांठ कर जांच की गई। और जांच रिपोर्ट 8 जनवरी 2021 को सौंप दी गई, जिसमें कहा गया कि चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं पायी गई है। उक्त जांच से असंतुष्ट आवेदक तिलेश्वर दमाहे ने पुनः जिला शिक्षा अधिकारी को जांच संबंधी पत्र दिनांक 19 जनवरी 2021 को सौंपा गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि वर्तमान में कार्यरत अतिथि शिक्षक प्रेमानंद लिल्हारे जिनकी स्नातक में शैक्षणिक योग्यता कला संकाय है और मेरी शैक्षणिक योग्यता बीएससी और एमएससी कम्प्युटर साइंस से है। अर्थात कम योग्यता वाले का चयन किया गया है, जो पुर्णत गलत है,जिस संबंध में जांच की जाए। जिसके पश्चात कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट के पत्र क्रमांक /क्स्स्र/2021/226 दिनांक 22 मार्च 2021 के द्वारा दिनांक 27 मार्च 2021 को दोपहर 1 बजे शिकायतकर्ता तिलेश्वर दमाहे को सभी दस्तावेजों के साथ स्कुल बुलाया गया। जांच अधिकारी बी आर गुर्दे प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा एवं सहायक जांच अधिकारी गिरिश रामटेक्कर व्याख्याता शास उत्कृष्ट विद्यालय लांजी के द्वारा दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर एवं रिकॉर्ड की जांच की गई। जिसमें जांच अधिकारीयों ने अपने लिखित अभिमत में बताया कि व्यवसायिक

शिक्षा में अतिथि शिक्षकों की मेरिट के आधार पर बनाई गई चयन सूची त्रुटीपुर्ण है एवं शिकायतकर्ता तिलेश्वर दमाहे की शिकायत सही पाई गई है। और जांच प्रतिवेदन को आवश्यक कार्रवाई हेतु जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट को प्रेषित कर दी गई।

आखिरकार कार्रवाई करने में जिला शिक्षा अधिकारी टेक रहें घुटने–उक्त मामला दुध की तरह सफ़ेद और पानी की तरह साफ है। वहीं जांच अधिकारीयों ने जांच कर दुध का दुध और पानी का पानी कर दिया है। और जांच रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बालाघाट को सौंप दिया है। लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी लेटलतिफी कर उचित कार्रवाई एवं निष्पक्ष निर्णय लेने में घुटने टेकते नजर आ रहे हैं। ऐसे में आम जन का अधिकारियों से विष्वास उठता है।वहीं बहेला प्रभारी प्राचार्य जिस तरह से बेफिक्र नजर आते हैं,ऐसा प्रतीत होता है कि उच्च अधिकारी भी इन्हें बचाने की कयास लगा रहे हैं।

बी आर गुर्दे जांच अधिकारी प्रभारी बीईओ लांजी–श्रीमान जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट के आदेश पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में अनियमितता की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें चयनित अभ्यर्थी की शिकायत है थी कि अतिथि शिक्षक भर्ती में अनियमितता हुई है। वाय डी गिरिया प्रभारी प्राचार्य बहेला एवं आवेदक के समक्ष जांच की गई थी जिसमें निष्कर्ष निकला था कि चयन सूची त्रुटिपूर्ण हैं और तिलेश्वर दमाहे द्वारा शिकायत की गई थी वह सही है। अब उच्च अधिकारी इसके ऊपर कार्यवाही कर सकते हैं।

उचित कार्रवाई की जाए अन्यथा मैं आत्महत्या कर लूंगा– तीलेश्वर दमाहे शिकायतकर्ता

मै तिलेश्वर दमाहे वल्द गजलाल दमाहे ग्राम, पोस्ट घंसा का निवासी हुँ 7 जो कि शास .उच्च. माध्या विद्यालय बहेला में व्यवसायिक अतिथि शिक्षक विषय कम्प्युटर के पद पर आवेदन किया था 7 चयन सूची में मेरी नाम तिसरे स्थान पर है तथा अभी वर्तमान में दुसरे स्थान पर जिनका नाम प्रेमानन्द लिल्हारे जी कार्यरत है परन्तु अनकी शैक्षनिक योग्यता आर्ट से स्नातक है और मेरी शैक्षनिक योग्यता क्वस्ट्ट छ्श्वद्रश्चह्लह्लद्गह्- स्थ्रह्लठ्ठष्द्द तथा स्वस्ट्ट छ्श्वद्रश्चह्लह्लद्गह्-स्थ्रद्दठ्ठष्द्द है । अर्थात् कम योग्यता वाले का चयन किया गया जो कि पुर्ण रूप से गलत है । अतः जब तक पुर्ण रूपेण जांच नहीं हो जाती और मुझे संतुष्टि नहीं मिल जाती तब तक इस भर्ती पर आपत्ति लगा दिया जावे 7 चुकि चयन सूची में बी.ए. का जिक्र नहीं है इससे स्पष्ट होता है कि आवेदन के साथ बी.ए. की अंकसूची संलग्न नहीं है 7 क्क्नस्ट्ट डिप्लोमा कोर्स है इसलिए पीजीडीसीए कि प्राथमिकता कम क्वस्ट्ट (ष्टस) के बाद ही होना चाहिए 7 चयन सूची न्यूनतम स्नातक डिग्री के अनुसार बनायी गयी है 7 जबकि अभ्यर्थी का बी.ए. का जिक्र नहीं है 7 अब जांच भी हो गई है और मेरी शिकायत सही पाई गई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मेरा निवेदन है कि उचित कार्रवाई की जाए अन्यथा मैं आत्महत्या कर लूंगा, जिसके जिम्मेदार प्राचार्य वाय डी गिरिया और जिला शिक्षा अधिकारी होंगे।

वाय.डी.गिरीया प्रभारी प्राचार्य शास. उच्च माध्य. विद्यालय बहेला

डोमेस्टिक डाटा एन्ट्री आपरेटर के पद हेतु चयन शाला विकास एवं प्रबंधन समिति द्वारा लिये गये निर्णय तथा चयन सुची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर लिया गया है 7 चयन प्रक्रिया हेतु समय बहुत ही काम दिया गया था । शैक्षणिक एवं अनुभव के संबंध में दिया गाया निर्देश स्पष्ट न होने तथा समझ में न आने के कारण चयन सूची बनाने में मेरे एवं समिति द्वारा गलती हो सकती है।

प्रदेश में करोना लॉकडाउन मैं बेरोजगार विकलांग बधुओं के जीवन यापन हेतु शासन प्रशासन से मदद मांगी

विनोद पाठक रिपोर्ट पुष्पांजली टुडे

मप्र विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक ने प्रदेश के प्रशासन के जिला कलेक्टर, माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, सामाजिक एवं निश्शक्तजन कल्याण विभाग मंत्री प्रेमसिंह पटेल, मध्यप्रदेश निश्शक्तजन आयुक्त संदीप रजक, प्रदेश के समस्त प्रभारी मंत्री जी एवं समस्त सांसद महोदय जी से विशेष अनुरोध किया है की वैश्विक महामारी कोरोना लॉकडाउन के समय हमारे बेरोजगार विकलांग बंधुओ को पेट भरने तक की मुसीबत आ जाती है इसलिये आप उनके जीवन यापन के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले एवं तहसील में खाद्य सामग्री प्रदान कराई जाये एवं

इसके साथ - साथ हमारे साथी जो शासकीय एवं अर्धशासकीय कर्मचारी है उनको घर पर कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाये ताकी वे जीवन की सुरक्षा को बनाये रखते हुये अपना रोजगार संभाल सकें. विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक का कहना था की लॉकडाउन कोविड - 19 की वजह से किसी भी प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्रियो को ज्ञापन देने में असमर्थ था तो इस कारण प्रिंट मिडिया के माध्यम से प्रदेश में अपना सहारा बनाते हुये यह खबर, दैनिक पत्रिका, दैनिक भास्कर, प्रथम प्रहरी टाइम्स, समर्थ सहारा, दैनिक चम्बल नवराष्ट्र, पुष्पांजलि टुडे, प्रोपर न्यूज़, दैनिक समय जगत, ओड़िशन टाइम्स, दैनिक आचरण, स्वदेश, और चंबल की चर्चा समाचार के माध्यम से अपनी बात आप तक प्रेषित कर रहा हूँ अतः हमारे जिलाधीश महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, सांसद महोदय, एवं समस्त प्रदेश के तहसील विधायक जी से मेरा विशेष अनुरोध ही नही मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप हम विकलांग बंधुओ की पीड़ा को जरूर समझेंगे और उनको सहायता जरूर प्रदान करवाएंगे!

हिंदुस्तान के करोड़ों व्यापारियों के हितैषी श्याम बिहारी का निधन

नारायन लाल पुष्पांजली टुडे

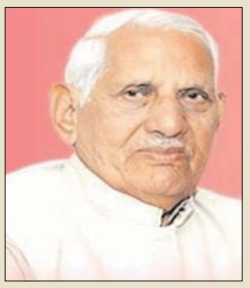

चैन्नई। आज भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ,भूतपूर्व एम पी और हिंदुस्तान के करोडों व्यापारियों के हितैषी परम आदरणीय श्यामबिहारीजी मिश्रा आज हमारे बीच नहीं रहे। संपूर्ण भारत के व्यापारियों के लिए

आज का दिन बहुत ही दुःखद हैं। दक्षिण भारत के सभी व्यापारियों और तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एंवम् ज्वैलर्स एसोशिएसन संगठन के प्रदेशाध्यक्ष तेजानंद महाराज और सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों की तरफ से स्वर्गीय आत्मा को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी ।

शिवपुरी में सामाजिक, राजनैतिक, सार्वजनिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों का एकत्रित होना पूर्णत: वर्जित

शिवपुरी। कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह के निर्देशों के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शिवपुरी द्वारा सामाजिक कार्यक्रम विवाह समारोह एवं मांगलिक कार्यक्रम, मृत्युभोज, उठावनी, अन्य राजनैतिक, खेलकूद, मनोरंजन, शैक्षणिक, सांस्कृतिका, सार्वजनिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिये लोगों का एकत्रित होना पूर्णतः वर्जित किया गया है। उक्त आदेश के पालन में सामाजिक (विवाह समारोह एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रम, मृत्युभोज, उठावनी आदि) राजनैतिक, खेलखूद, मनोरंजन, शेक्षणिक, सांस्कृतिक, सार्वजनिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों पर अन्य आगामी आदेश तक रोक लगाई जाती है एवं पूर्व में जारी अनुमतियां स्वतः ही निरस्त मानी जाए।

चोरी की घटना का फरार आरोपी युवक लाउडस्पीकर की मशीन व बैटरी सहित गिरफ्तार

सोनू कुमार पुष्पांजली टुडे

एटा। जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था व अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर के निर्देशन में वान्छित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जलेसर पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना जलेसर पर पंजीकृत अभियोग धारा 380, 457 भादंवि में वांछित चल रहे अभियुक्त बृजेश उर्फ कालू पुत्र रामपाल यादव निवासी मौहोल्ला सादात कस्बा व थाना जलेसर को चोरी किये गए लाउडस्पीकर की मशीन व एक बैटरी सहित गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की गई है। अभियुक्त के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

घर में कोरोना मरीजों के इलाज के लिए एडवाईजरी

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

इंदौर। जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि देश-प्रदेश के साथ-साथ जिले में लगातार बढ़ रहे संक्रमितों के आंकड़ो के बाद और मरीजों को संस्थागत क्वारेंटाइन में आने वाली समस्या को ध्यान में रखते हुए लक्षण रहित कोरोना पॉजिटिव मरीज जिनकी संख्या काफी अधिक रहती है, अपनी रिपोर्ट आने के बाद से ही घर पर रहकर ही अपना इलाज करायें।

चिकित्सीय सहायता–होम क्वारेंटाइन में रह रहे व्यक्ति एवं उसके देखभालकर्ता का यह प्रथम दायित्व होगा की मरीज को सांस लेने में कठिनाई, निरंतर दर्द, छाती में दबाव, भारीपन, मानसिक भ्रम या सचेत होने में कठिनाई, होंठ, चेहरे का नीला पड़ना आदि लक्षण होने पर होम आइसोलेशन में रहने वाले कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति तत्काल मोबाईल मेडिकल यूनिट के डॉक्टर अथवा 104 पर चिकित्सीय सहायता के लिये सम्पर्क करें।

संक्रमित के लिये निर्देश– कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति द्वारा सदैव ट्रिपल लेयर मेडिकल मॉस्क का उपयोग किया जाये एवं मॉस्क के भीगने, गंदा होने पर मॉस्क बदला जाये। मॉस्क को एक प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइट से विषाणमुक्त करके ही निपटान किया जाये। कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति, घर के अन्य वृद्धजन, उच्च रक्तचाप, दिल, गुर्दे के रोग से ग्रस्त सदस्यों से दूर, अपने कक्ष में ही रहे। होम आईसोलेशन के दौरान संक्रमित व्यक्ति द्वारा समुचित आराम किया जाये एवं पर्याप्त पेय पदार्थों व संतुलित आहार का सेवन किया जाये। खाँसते-छींकते समय मुँह को टिशूरुमाल, तौलिया, दुपट्टा, गमछा आदि से ढांका जाये तथा हार्थों को साबुन पानी से बार-बार धोया जाये। किसी भी परिस्थिति में व्यक्तिगत वस्तुओं को अन्य सदस्यों के उपयोग के लिये साझा न किया जाये। औषधियों के सेवन के लिये चिकित्सीय परामर्श का अनुपालन किया जाये। सम्पर्क में आने वाले सतहों (टेबल,दरवाजे के हैण्डल,लाइट बटन,मोबाइल आदि) की विषाणुमुक्ति एक प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइट से नियमित रूप से साफ किया जाये।

देख-भालकर्ता के लिये निर्देश– कोविड-19 केस के देखभालकर्ता द्वारा सदैव संक्रमित व्यक्ति के कक्ष में उपस्थिति के दौरान ट्रिपल लेयर मेडिकल मॉस्क का उपयोग किया जाये। मॉस्क, मुँह व चेहरे को छूने से बचा जाये तथा मॉस्क के भीगने या गंदा हो जाने पर तत्काल बदला जाये। संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने अथवा उपयोग की हुई सतहों के सम्पर्क में आने पर साबुन पानी से हाथ धोया जाये। भोजन पकाते समय, खाने के पूर्व व शौचालय के उपयोग के बाद साबुन पानी से न्यूनतम 40 सेकेण्ड तक हाथ धोया जाये अथवा उनको अल्कोहल युक्त सेनेटाइजर से साफ किया जाये। संक्रमित व्यक्ति से सम्पर्क दौरान दस्ताने का उपयोग किया जाये। संक्रमित वस्तुओं जैसे बर्तन, तौलिया, चादर आदि को सीधे छूने से बचा जाये एवं इस दौरान ग्लब्स एवं ट्रिपल लेयर मेडिकल मॉस्क का उपयोग किया जाये। ग्लब्स उतारने के बाद हाथ अच्छे से धोकर साफ टिशू तौलिये से पोंछा जाये। कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति को भोजन उसके कक्ष में ही परोसा जाये व उपयोग किये गये बर्तनों को ग्लब्स पहनकर साबुन पानी से अच्छे से साफ किया जाये। संक्रमित व्यक्ति को समस्त निर्देशित औषधियाँ सेवन कराने का दायित्व देखभालकर्ता का होगा। देखभालकर्ता एवं अन्य सभी निकट सम्पर्क द्वारा अपना दैनिक तापमान तथा अन्य कोविड लक्षण जैसे बुखार, खाँसी,सांस लेने में कठिनाई की निगरानी की जाना अनिवार्य है एवं दैनिक रूप से इसका अपडेट सार्थक एप पर किया जाये। कोई भी लक्षण उत्पन्न होने पर नियत सर्वेलेंस चिकित्सा अधिकारी को सूचित किया जाये।

होम आइसोलेशन अवधि की समाप्ति–होम आइसोलेशन में निगरानीबद्ध व्यक्ति को लक्षण उत्पति दिनांक, सेम्पल दिनांक से विगत 10 दिनों से लक्षण रहित होने तथा 3 दिनों से बुखार रहित होने पर डिस्चार्ज किया जाये। तत्पश्चात आगामी 7 दिवस तक उक्त व्यक्ति द्वारा घर पर अपने स्वास्थ्य की स्व-निगरानी सुनिश्चित की जायेगी। कोविड संक्रमित व्यक्ति की जाँच में संक्रमण से मुक्ति पुष्ट होने पर एक लक्षण रहित स्थिति को आंकलित कर, सर्वेलेंस चिकित्सा अधिकारी द्वारा होम आइसोलेशन समाप्ति का लिखित प्रमाण-पत्र दिया जायेगा।

सम्पादकीय

हवा में वायरस

वैज्ञानिकों ने यह बताया है कि कोरोना वायरस मुख्य रूप से हवा के माध्यम से प्रसारित हो रहा है और यह वायरस लंबी दूरी तय कर सकता है। तीन देशों के छह वैज्ञानिकों के अध्ययन का निचोड़ यह है कि हवा में ही वायरस का निपटारा करना पड़ेगा। चूंकि हम हवा में इस वायरस को फैलने से नहीं रोक पा रहे हैं, इसलिए यह तेजी से फैलता जा रहा है। शोधकर्ताओं में शामिल वैज्ञानिक लुईस जिमेनेज ने कहा है, 'हवाई संक्रमण का समर्थन करने वाले सुबूत मजबूत हैं और बड़ी बूंदों के जरिए संक्रमण का समर्थन करने वाले सुबूत लगभग नदारद हैं।' अब तक हम यही मान रहे थे कि यह वायरस ड्रॉप्लेट्स के जरिए ही ज्यादा फैलता है। ड्रॉप्लेट्स या बूंदों में भार होता है, इसलिए इनका हवा में दूर तक जाना नामुमकिन है, जबकि हवा में अगर वायरस विचरित हो रहा है, तो वह दूर तक जा सकता है। लुईस के अनुसार, यह जरूरी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण के अपने विवरण को वैज्ञानिक सुबूतों के अनुकूल करें, ताकि वायु से फैलते संक्रमण को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की टीम ने प्रकाशित शोध की समीक्षा की है और कोरोना के हवाई मार्ग या हवाई संक्रमण की प्रबलता के समर्थन में साक्ष्यों की पहचान की है। एक मामला तो ऐसा है, जिसमें एक ही व्यक्ति से 53 लोग संक्रमित हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है, निश्चित रूप से हवा के जरिए ही इतने लोगों तक संक्रमण पहुंचा होगा। मात्र किसी सतह या वस्तु को छूने से इतने लोगों को संक्रमण शायद नहीं हो सकता। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है, दुनिया में 40 प्रतिशत संक्रमण ऐसे लोगों से फैला है, जो न खांस रहे थे और न जिन्हें जुकाम था। ऐसे मौन संक्रमण ने ही पूरी दुनिया को परेशान कर रखा है। यह संक्रमण मुख्य रूप से वायु के माध्यम से ही हो रहा है। इसमें ड्रॉप्लेट्स की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि ऐसे लोगों को भी कोरोना हुआ है, जो किसी भी संक्रमित के निकट नहीं गए थे। कुल मिलाकर, यह समझ लेना चाहिए कि हवा के जरिए होने वाले संक्रमण के सुबूत मजबूत हैं। अत= यह जरूरी है कि ऐसे संक्रमण को रोका जाए। जिनको खांसी और जुकाम है, उन्हें क्वारंटीन करने से भी ज्यादा जरूरी है, उन लोगों की पहचान करना, जिनमें लक्षण स्पष्ट नहीं हैं। जांच का कोई विकल्प नहीं है। सरकार के पास इतने संसाधन होने ही चाहिए कि वह कहीं भी किसी की जांच कर सके। कोई व्यक्ति अगर जांच कराना चाहे, तो उसे संसाधन के अभाव में कभी लौटाया न जाए। अगर कहीं डरे हुए मरीजों को बिना जांच और इलाज के लौटाया जा रहा है, तो यह कोरोना फैलाने के समान अपराध है। सरकारें मास्क संबंधी नियम कड़े कर रही हैं, लेकिन देखना होगा कि सरकारी व गैर-सरकारी, सभी लोग मास्क पहनें। जब लोगों की मौत हो रही हो, तब मास्क न पहनने के लिए बहानेबाजी भी किसी अपराध से कम नहीं। जो लोग मास्क पहनना नहीं चाहते, उन्हें घर से निकलने की जरूरत नहीं। ध्यान रहे, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने डबल मास्क को ज्यादा बेहतर बताया है। कहीं भी अगर थोड़ी सी भी भीड़ है, तो वहां डबल मास्क पहनना चाहिए। मास्क की गुणवत्ता भी जांचनी चाहिए। ऐसा न हो कि किसी भी तरह का मास्क महज दिखाने के लिए पहन लिया जाए।

समान शिक्षा का सपना

नवनीत शर्मा

आंकड़ों के अनुसार सरकारी स्कूलों में उनतालीस फीसद दलित अध्यापकों के रिक्त पद हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में दलित भागीदारी की एक भिन्न दारुण कथा है जिसकी बानगी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस खुलासे में मिलती है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुल मिला कर 38.42 फीसद आरक्षित पद खाली हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में मात्र पंद्रह फीसद दलित विद्यार्थी नामांकित हैं। इन संस्थानों में आइआइटी और आइआइएम जैसे विशिष्ट संस्थानों में दलित पहुंच के आंकड़ों की नगण्यता भयावह है। आर्थिक वर्गभेद की सैद्धांतिक अवधारणा में कम से कम शिक्षा से 'पढ़ोगे, लिखोगे बनोगे नवाब' जैसी संभावना तो बनती है, परंतु वर्ण या जाति भेद में किसी भी प्रकार की गतिशीलता संभव नहीं है। हम धर्म बदल सकते हैं, परंतु जाति नहीं और भारतीय उपमहाद्वीप में 'जाति' अस्तित्व की प्राथमिक परिचायक है।

समतामूलक संसाधनों के बंटवारे के क्रम में सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए पहली आवश्यकता शिक्षा तक पहुंच है। गुणात्मक शिक्षा के विमर्श पर पहुंचने से पहले शिक्षा के संख्यात्मक विकास और प्रसार को सार्वभौमिक बनाना होगा। सबको शिक्षा और समान शिक्षा के लिए अनगिनत आयोगों, रिपोर्ट और दस्तावेजों की वकालत के बावजूद स्कूलीकरण के आंकड़े प्रोत्साहनजनक नहीं हैं।

बाबा साहेब आंबेडकर की स्मृति और इतिहास हमें भविष्य की ओर प्रशस्त करते हैं। साथ ही, यह दुनिया कैसी हो, इसका स्वरूप कैसा हो, मनुष्य में कितनी और कैसी मनुजता हो, इसे भी रूपांकित करते हैं। बराबरी का समाज बने, जहां धर्म, जाति, नस्ल, लैंगिकता, भाषा, राष्ट्रीयता, वर्ण जैसे भेदभाव न हों, यह कल्पनीय जरूर लगता है, पर असंभाव्य नहीं।

बाबा साहेब का समाज-दर्शन ऐसे आदर्शवादी समाज का न केवल बिंब रचता है, वरन उसकी बुनियाद और संरचना भी उकेरता है। समता और समानता के भेद को चिह्नित करते हुए बाबा साहेब ने माना कि केवल सबको एक समान मान लेने भर से बात नहीं बनेगी, संसाधनों का बंटवारा समतामूलक होना चाहिए। समतामूलक संसाधनों के बंटवारे के क्रम में सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए पहली आवश्यकता शिक्षा तक पहुंच है। गुणात्मक शिक्षा के विमर्श पर पहुंचने से पहले शिक्षा के संख्यात्मक विकास और प्रसार को सार्वभौमिक बनाना होगा। सबको शिक्षा और समान शिक्षा के लिए अनगिनत आयोगों, रिपोर्ट और दस्तावेजों की वकालत के बावजूद स्कूलीकरण के आंकड़े प्रोत्साहनजनक नहीं हैं।

वर्गभेद से परे वर्णभेद और जातिगत भेदभाव आज भी दलितों को स्कूल की दहलीज से बहिष्कृत करते हैं। दलित शिक्षा का इतिहास तीन चरणों में समझा जा सकता है। पहला चरण, स्वतंत्रता पूर्व दलित शिक्षा के आंदोलन का प्रयास उन्हें स्कूल तक लाने के लिए था। दूसरे चरण में उन्हें कक्षा के भीतर तक लाने की कोशिशें हुईं। हालांकि आज भी दलित छात्रों से भेदभाव या मध्याह्न भोजन के दौरान भेदभाव जैसी खबरें मिलती ही रहती हैं।

तीसरा चरण दलितों को कक्षाई विमर्श में भागीदार बनाने या दलित ज्ञानमीमांसा रचने के सवाल पर पहुंचाता है। 'प्रथम' के 'असर' रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार आज भी

इक्यावन फीसद दलित विद्यार्थी स्कूल को बीच में ही छोड़ देते हैं। यह एक और भिन्न विमर्श को जन्म देता है कि विद्यार्थी स्कूल 'छोड़' देते हैं, अथवा स्कूलीकरण की प्रक्रिया में कुछ ऐसा है कि शत-फीसद नामांकन के बाद पाठ्यक्रम, शिक्षायी माध्यम, अध्यापकों और सहपाठियों का व्यवहार और शिक्षा व्यवस्था की ढांचागत कमियों की वजह से विद्यार्थी स्कूल छोड़ देने को मजबूर हो जाते हैं।

आंकड़ों के अनुसार सरकारी स्कूलों में उनतालीस फीसद दलित अध्यापकों के रिक्त पद हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में दलित भागीदारी की एक भिन्न दारुण कथा है जिसकी बानगी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इस खुलासे में मिलती है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुल मिला कर 38.42 फीसद आरक्षित पद खाली हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में मात्र पंद्रह फीसद दलित विद्यार्थी नामांकित हैं। इन संस्थानों में आइआइटी और आइआइएम जैसे विशिष्ट संस्थानों में दलित पहुंच के आंकड़ों की नगण्यता भयावह है।

आर्थिक वर्गभेद की सैद्धांतिक अवधारणा में कम से कम शिक्षा से 'पढ़ोगे, लिखोगे बनोगे नवाब' जैसी संभावना तो बनती है, परंतु वर्ण या जाति भेद में किसी भी प्रकार की गतिशीलता संभव नहीं है। हम धर्म बदल सकते हैं, परंतु जाति नहीं और भारतीय उपमहाद्वीप में 'जाति' अस्तित्व की प्राथमिक परिचायक है। व्यक्ति जाति में जन्म ही नहीं लेता, बल्कि मरता भी उसी में है।

जाति से मुक्ति का शास्त्रगत एक ही मार्ग है कि जिस जाति में जन्म हुआ हो उसी के अनुसार शिक्षा, व्यवस्था, विवाह और अंतिम संस्कार हो। शायद इसीलिए बाबा साहेब आंबेडकर ने लिखा कि 'जाति श्रम का नहीं, श्रमिकों का विभाजन है'। वर्ष 2012 में हुए एक अध्ययन के अनुसार सभी कंपनियों के बोर्ड में तिरानवे फीसद सवर्ण सदस्य हैं। संख्याबल के आधार पर दलितों की 'बाजारी क्षमता' अधिक होने के बावजूद शायद ही किसी भारतीय कॉरपोरेट घराने ने जातिगत भेदभाव मिटाने के लिए कोई मुहिम छेड़ी हो, याद नहीं पड़ता।

आर्थिक स्तर पर दलित हिस्सेदारी की बात की जाए तो कुल कृषि योग्य भूमि में से मात्र साढ़े आठ फीसद भूमि पर दलितों का मालिकाना हक है और यह कथित जमींदारी उन्मूलन और भूदान आंदोलन के नतीजे हैं। इस मालिकाना हक में भी इकसठ फीसद दो हेक्टेयर से भी कम भूमि पर है और बाकी तो एक हेक्टेयर भूमि भी नहीं रखते। इसी अवस्था के कारण दिहाड़ी मजदूरों में तिरसठ फीसद दलित आबादी है और बेरोजगारी के आंकड़ों में 'सामान्य' से डेढ़ फीसद से अधिक का फासला है, परंतु डिप्लोमाधारी बेरोजगारों के आंकड़े में यह सामान्य वर्ग से दोगुना है।

डिप्लोमाधारी सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी यदि सात फीसद बेरोजगारी का दंश झेल रहें हैं तो 14.7 फीसद डिप्लोमाधारी दलित बेरोजगार हैं। एक और अध्ययन के अनुसार भारत सरकार के सचिव के पद स्तर पर फिलहाल एक भी दलित नहीं है और सबसे ऊपरी पायदान के पांच सौ अधिकारियों में से मात्र तीन ही दलित हैं। ये आंकड़े उस आर्थिक असमानता और विषमता को दर्शाते हैं जिसके अनुसार एक सौ दस दलित सीवर और सेप्टिक टैंक को साफ करने के दौरान 2019 में मारे गए और सरकारी गिनती के अनुसार अभी भी बयालीस हजार लोग सर पर मैला ढोने के काम में लगे हैं।

अवसरों की समानता की इन गहरी विषमताओं में शिक्षा, भूमि, रोजगार से परे दिहाड़ी मजदूरी, बेगारी, अस्पृश्य कामगारी के बीच न्याय और अन्याय की संकल्पनाओं में कोई भी विभाज्य रेखा नहीं बचती। न्याय व्यवस्था को यदि समतामूलक समाज बनाने के लिए अवश्यंभावी मान कर देखा जाए तो भारतीय अदालतों में लंबित चार करोड़ मामलों में सुप्रीम कोर्ट के प्रत्येक न्यायाधीश को दो हजार, हाईकोर्ट के प्रत्येक न्यायाधीश को साढ़े-चार हजार और सत्र न्यायालयों में प्रति न्यायाधीश को डेढ़ हजार मुकदमे सुनने की जिम्मेदारी है और प्रत्येक वर्ष लगभग चार करोड़ ही नए मुकदमे दाखिल होते हैं।

ऐसी अवस्था में न्याय व्यवस्था में दलित भागीदारी और दलितों के प्रति जातिगत हिंसा और अपराध की सुनवाई के आंकड़े अलग ही दास्तान कहते हैं। वर्ष 2019 में जातिगत हिंसा और अपराध के छियालीस हजार मामले दर्ज हुए, औसतन एक सौ छब्बीस मामले प्रतिदिन और प्रतिघंटे पांच दलित उत्पीड़न के मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें प्रत्येक सोलह में से केवल एक का ही निपटारा प्रतिवर्ष हो पाता है, जैसा कि आंकड़े बताते हैं।

महिलाओं और दलित बच्चों के साथ प्रतिदिन दस दुष्कर्म के मामले दर्ज होते हैं। इन आंकड़ों के संदर्भ में पुलिस व्यवस्था में दलित हिस्सेदारी को देखा जाए तो दलित उत्पीड़न के सर्वाधिक मामले दर्ज होने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में अड़सठ फीसद दलित पद पुलिस विभाग में रिक्त हैं, जबकि हरियाणा में उनसठ फीसद, बिहार में अड़तालीस फीसद और राजस्थान में बयालीस फीसद पुलिस विभाग में दलित पद नियुक्तियों की बाट जोह रहे हैं। न्याय के समतामूलक होने में और उस तक पहुंच के लिए पुलिस बल और न्याय तंत्र में दलित भागीदारी का बढ़ना अनिवार्य है, वरना प्रतिदिन छह दलित महिलाओं से बलात्कार और दर्ज मामलों में मात्र दो फीसद के निपटारे, समाज को किसी आर्तोरिक अराजकता के कगार पर ला सकते हैं।

कोरोना महामारी को हराने जनभागीदारी के साथ राजनीतिक भागीदारी बहुत जरूरी

कोरोना महामारी से पीड़ित जनता के दुखों में राजनीतिक भागीदारी रणनीति, कारगर सिद्ध होगी - एड किशन भावनानी

गोंदिया - कोरोना महामारी ने आज पूरे विश्व की जनता को त्रस्त कर दिया है। वैश्विक रूप से इस महामारी को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है। अनेक देशों में लॉकडाउन लगा है, तो कहीं कर्फ्यू तो कहीं सख्त पाबंदियों में जनता को कैद होना पड़ रहा है। परंतु एक बात ध्यान देने योग्य है कि जिन देशों में पक्ष और विपक्ष स्तर की राजनीतिक पार्टियां आपसमें तालमेल बैठाकर एकजुट होकर, पूर्ण भागीदारी के साथ, इस महामारी से लड़े हैं, उन्होंने इस घातक महामारी पर विजय प्राप्त कर ली है। अगर एक मीडिया चैनल की बात माने तोइस का सबसे संजीदा उदाहरण इजराइल का है वहां कोरोना महामारी हार गई है और अब प्रशासन ने जनता से मास्क भी हटाने को कहा है। इसके विपरीत बात अगर पूर्ण विकसित देश अमेरिका की करें तो पिछले साल ट्रंप शासन में महामारी में लाखों लोगों की मृत्यु हो गई थी अनेक कारणों में से एक कारण पक्ष व विपक्ष का तालमेल इस महामारी संबंधी नीतियों में नहीं था। और ट्रंप सख्ती बरतने के पक्ष में नहीं थे और महामारी को हल्के मेंलिया था ऐसा मीडिया चैनलों द्वारा दिखाया गया था।... बात अगर हम भारत की करेंतो यहां कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने वर्ष 2020 की अपेक्षा अधिक कहर बरपा रही है और बड़ी तीव्रता से लोग संक्रमित हो रहे हैं और उपलब्ध मेडिकल व्यवस्थाओं से अधिक मरीज आ रहे हैं जिसमें ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, बेड की बड़ी संख्या में अपेक्षाकृत कमी महसूस हो रहीहै और श्मशान घाटों पर भी अपेक्षाकृत व्यवस्थाओं में कमी है जिन्हें ग्राउंड रिपोर्टिंग कर टीवी चैनलों के माध्यम से हम देख रहे हैं हालांकि इस बात के लिए हम किसी भी शासन-प्रशासन को दोष नहीं दे सकते व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की ओर कदम बढ़ा सकते हैं... बात अगर भारत में राजनीतिक भागीदारी या तालमेल की करें तो मेरा निजी अनुभव के अनुसार कम दिखाई दे रहा है जो नहींहोना चाहिए, क्योंकि मंगलवार दिनांक 20 अप्रैल 2021 को दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री एवं एक बड़े अस्पताल के प्रमुख का बयान टीवी चैनल पर आया कि दिल्ली अस्पतालों में 6- 8 घंटे की ही ऑक्सीजन बची है और फिर कुछ समय बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बयान आया के ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में है उसी तरह कुछ दिन पूर्व महाराष्ट्र व अन्य कुछ राज्यों के भी बयान आए थेकि वैक्सीनेशन में वैक्सीन की कमी महसूस हो रही है। ऑक्सीजन की भी कमी है, बेड वेंटिलेटर इत्यादि सुविधाओं की भी कमी है। उसके बाद केंद्र की ओर से एक बड़े मंत्री और अन्य मंत्रियों के बयान आए के वैक्सीनेशन का पूर्ण मात्रा में स्टॉक है और अन्य बातें कही गई।मंगलवार दिनांक 20 अप्रैल को ही माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लॉकडाउन को अंतिम उपाय के रूप में अपनाने पर बल दिया गया और इससे आर्थिक चैन कमजोर होगी संबंधी बात कही। जबकि कुछ राज्यों में लॉक डाउन लग चुका है और महाराष्ट्र में बुधवार दिनांक 21 अप्रैल 2021 को सिर्फ जरूरी सेवाओं के लिए सुबह 7 बजे से 11 बजे तक सिर्फ 4 घंटे की छूट दी गई है। बाकी पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है। हमारे गोंदिया जिला अधिकारी ने भी अधिसूचना उसी प्रकार की ही लागू की है। मीडिया जानकारी के अनुसार बुधवार को ही माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम संदेश प्रसारण करके लॉकडाउन की शक्तियों को और बढ़ाए जाने की उम्मीद है, यानी फुल लॉक डाउन लगाया जा सकता है। उधर झारखंड में भी 6 दिनों के लॉक डाउन की घोषणा की गई है। यूपी एमपी सहित अन्य राज्यों में भी कुछ स्तर पर लॉकडाउन किए गए हैं। उधर हम सभी आम नागरिक टीवी चैनलों के माध्यम से देखते हैं कि विपक्षी प्रमुख पार्टियां किस तरह महामारी से संबंधित नीतियों के विरोध के स्वर अपनाते हैं और मिसमैनेजमेंट करार देते हैं। आज कोरोना काल में अनेक नागरिक जिन परिवारों ने अपने सदस्य खोए हैं और दुखों से पीड़ित हैं और लाखों लोग जो अभी कोरोना से जंग लड़ रहे हैं उन्हें उनसे मुक्ति चाहिए जो जनभागीदारी के साथ-साथ राजनीतिक भागीदारी भी उनके लिए एक मरहम और दवाई का काम करेगी।

-संकलनकर्ता लेखक- कर विशेषज्ञ एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

नस्लीय हिंसा की सोच मिटाई जाए

अमेरिका के इंडियाना पोलिस में एक हमले में चार भारतीय लोगों की मौत हो गई। इस घटना से प्रवासी भारतीय सदमे में हैं। बाइडेन प्रशासन में यह पहली बड़ी घटना है। प्रवासी भारतीयों के मन में इस बात का भय बन रहा है कि कहीं रिपब्लिकन राज्य की तरह डेमोक्रेटिक राज्य में भी नस्लीय हिंसा को अनदेखा न कर दिया जाए। भारतीयों की सुरक्षा के संबंध में राष्ट्रपति कार्यालय से अब तक कोई संतोषजनक ब्यान नहीं आया है। इस कारण भारत ही नहीं वैश्विक समाज और सरकारें चिंतित हैं। इससे लगता है कि अमेरिका इस नस्लीय हिंसा से लगभग बेपरवाह है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस घटना पर दुख प्रकट करते हुए इसे राष्ट्रीय आघात करार दिया है। वास्तव में बराक ओबामा प्रशासन के कार्यकाल में नस्लीय हिंसा को गंभीरता से लिया जाता था, यही कारण था कि दूसरी बार राष्ट्रपति बनने पर ओबामा को 39 फीसदी गैर अमेरिकियों के वोट मिले थे। इनमें अफ्रीकी और एशियाई मुल्कों के लोग थे। मूल अमेरिकियों के केवल 20 फीसदी वोट ही मिले थे। उनके कार्यकाल में एक भी प्रवासी की हत्या पर पूरे देश में शोक मनाया जाता था, लेकिन ट्रम्प प्रशासन में अनगिनत नस्लीय हमलों को अनदेखा किया गया। 9/11 के हमलों के बाद अमेरिका में नस्लीय हिंसा आक्रामक हुई थी, जिसमें कई भारतीय लोग मारे गए थे। तब अमेरिका ने यह तथ्य स्थापित करने की कोशिश की थी कि हमलावरों ने उन्हें भूलवश अरब नागरिक मान लिया था। यही बात श्रीनिवास की हत्या के बाद दोहराई गई। किंतु अब स्पष्ट हो रहा है कि श्वेत वर्चस्ववादी भारतीय और एशियाई मूल के लोगों को जानबूझकर निशाना बना रहे हैं। भारतीय मूल के लोगों की बेरहमी से हत्या को भुलाया जाता रहा, परिणामस्वरूप ट्रंप प्रशासन को नस्लीय हिंसाओं की अनदेखी का खमियाजा भी भुगतना पड़ा और उन्हें चुनावों में करारी शिकस्त मिली। अश्वेत फ्लॉइड की मौत ट्रम्प के खिलाफ लहर बन गई। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पद संभालते ही यह वायदा किया था कि नफरत व आपसी दूरियां छोड़कर नए अमेरिका का निर्माण करेंगे। अपनी टीम में कई भारतीय मूल के लोगों को जगह देकर नस्लीय और धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठने का बाइडेन संदेश दे चुके हैं। अब आवश्यकता है सरकार प्रवासियों के दिलों में पैदा हुई अनिश्चितता को दूर करने के लिए न केवल उनकी सुरक्षा का प्रबंध किया जाए, बल्कि नस्लीय हिंसा के लिए जिम्मेवार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। भले ही भारतीय प्रवासियों की गिनती आटे में नमक के बराबर है, फिर भी अमेरिका के विकास में भारतीय लोगों के योगदान को कम नहीं आंका जा सकता। अमेरिका को कनाडा की परम्परा से सीख लेनी चाहिए, इस मुल्क ने विकास का आधार ही सांस्कृतिक भिन्नताओं को माना है।

शमसान की चीख

शमसान चीख रहा मृत्यु परो
जगह नही है आना कल।
क्या काल ने आरक्षित कराया था
शमसान भूमि पर जगह
कल।।
विपदा के इस घोर अँधेरे
दिख नही रहा अब कोई राह।
काल ग्रास बना मानव को
लील रहा है बेपरवाह।।
व्यवस्था देखो कितनी सुगढ़ है
लाशों को भी करना पड़ रहा
इंतजार।
मरने का कारण दिखलाकर
हो रहा अंतिम संस्कार ।।
क्या काल पाश में बंधते समय
पूछा था मृत्यु का राज ?
पर शमसान तो पूछ रहा है
मृत्यु का भी कारण आज।।
एक कॅरोना ने आकर फैलाया
अपना काला साम्राज्य।
काल दंड को हाथ मे लेकर
तांडव मचा रहा है आज।।
इस देव भूमि पर कैसी छाया
जो हटने का न ले रहा है नाम।
अस्पतल से शमसान भूमि तक
फैला है अब मौत समान।।
हे काल करो कुछ सोचविचार
अपने पाश को तुम दो विराम।
निरीह और बेबस बन बैठे है
थोड़ा तो लेने दो सांस।।
निजस्वार्थ के चक्कर में

फँस रहा जनता का जान।
राजनीति के इस गंदे खेल में
बिखर रहा है मौत समान।।
बेसक काल से तुम्हारा समझौता
जो फेंकेगा न तुम पर पाश।
माफ करो तुम आम जन को
उनका न समझौता खास।।
महामारी आई है चली जायेगी
याद रहेगा तुम्हारा बरताव।
कॅरोना जितना दोषी माना जायेगा
तुम्हारा यह कुटिल चाल।।

श्री कमलेश झा
राजधानी दिल्ली

निगरानी तंत्र को मजबूत करने की जरूरत

एक तो महामारी और उपर से निगरानी तंत्र की गैर जिम्मेदाराना रवैया सिस्टम पर ही सवालिया निशान छोड़ रहा है।यह बात मैं नही यह आंकड़े कह रहे हैं।चारो तरफ हाहाकार है ऐसे में बडी मात्रा में टीका का बर्बाद होना सवालिया निशान खड़ा करता है।अब तक देश में लगभग 44-45 लाख से अधिक टीका की खुराकें बरबाद हो चुकी है।वो भी उस समय जब देश के अधिकांश हिस्से आज महामारी से त्रस्त हैं। देश की स्वास्थ्य सेवा की बदइंतजामी का यह जीता जागता उदाहरण है । इसमें ऐसे राज्य सबसे उपर है जहां यह बीमारी जोरों पर है बिहार, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा, महाराष्ट्र,गुजरात और राजस्थान । भारत दुनिया में आबादी के लिहाज से दूसरे स्थान पर है, ऐसे में किसी तरह की दवा की बर्बादी आबादी पर भारी पड़ सकता है ।यह बात स्वास्थ्य कर्मियों एवं वितरण प्रणाली को समझना होगा।आज भारत में प्रत्येक दिन लगभग 2000 लोग दम तोड़ रहे है और 2 लाख प्रतिदिन नये संक्रमित मिल रहे हैं। श्मशान में लंबी कतारें लग रही है और स्वास्थ्य विभाग की बदइंतजामी से दवा बर्बाद हो रहे है आखिर जब प्रोटोकाल तय किया गया तो उसका अनुपालन क्यों नही हुआ ? राज्य और केन्द्र के बीच सम्बन्ध अच्छे न होना एक अलग और संघीय ढांचे का हिस्सा हो सकता है लेकिन कुछ मसले महामारी के वक्त यह बद इंतजामी उन सरकारो पर सवालिया निशान जरूर छोड गये हैं जो लाशों पर अपनी राजनीति की रोटी सेक रहे हैं। आज अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने 15-20 प्रतिशत लोगों को टीकाकरण कर चुका है जबकि भारत अभी तक 1 प्रतिशत के दायरे में सिमटकर अपनी टीका की बर्बादी गाथा लिख रहा है। हम ऐसी जगह आ पहुँचे है जहां कोताही की तनिक भी गुंजाइश नहीं है हमारी मृत्युदर बढ़ रही चारो ओर हाहाकार है, ऐसे में तमाम राज्यों के स्वास्थ्य सेवाएं और निगरानी तंत्र को वेहद मुस्तैदी से काम करना ही होगा क्योंकि यह मानवता की पुकार है ।इस समय वेहद सर्तकता से जीवन बचाने के लिए सामने आए चुनौतीयों से लड़ना होगा। जीवन रक्षक दवाओं एम्बुलेंस सेवाओं और जरूरी खाद्य सामग्री का सुचारू रूप से उपलब्धता बढ़ानी होगी ।लोकतंत्र में विश्वास रखकर जात पात से परे हटकर मानवता के लिए सभी आगे आएं और जीवन की रक्षा करें ऐसे संकल्प बनाने होंगे।डरना नही,हमें तो लड़ना है, एक तंत्र से, दूजा कोरोना से, यही विवशता है, और समय की मांग भी?

आशुतोष
पटना बिहार

अपने खून को कई रगों में बहनें दो

अपने खून को कई रगों में बहनें दो,
यह तरीका है कई जिस्मो में जिन्दा रहने का।
खुदा के लिए तो जीती सारी की सारी दुनिया है
बीड़ा उठाओ मानवता को जिन्दा रखने का।
रक्त,देह,और नेत्र दान तो महान दान है,
हुनर है अगले पल खुद को जिन्दा रखने का।
दिल में यादों को जिंदा रहने दो पल दो पल,
तरीका है यह जिंदगी को खुशनुमा जीने का।।
कभी मुफलिसी में सांस लेकर देखिए चार दिन,
ये भी अलग अंदाज है जिंदगी को परखने का।।
संघर्ष से सदैव तपते बुलंद इरादे और हौसले है
लाजवाब हुनर है उलटी लहरों में नैय्या खेने का।।
कभी आजमा कर देखो,इन हवाओं,फिजाओं को,
बेहतरीन नुस्खा है,खुशबुओं में साँस लेने का।
यह तो रिवाज ही है ऊँचा उठने का,
ये हसीन तरीका है अम्बर को झुका लेने का।।
नम्रता से झुक जाना संस्कारों की इबादत है,
ये संस्कार ही है तंगहाली में दिलों के जीत लेने का।।
परवाह क्यों करते हो गर इरादे साफ है तुम्हारे,
नायाब तरीका है सूफियाना जिंदगी जीने का।।
लोग हँसते है उसकी दौलत की ख्वाइशो से,
ये तरिका है उसका खुद को जन्नत ले जाने का।

संजीव ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय कवि, रायपुर, छत्तीसगढ़,

कोरोना पर भारी दारू का रोग

अजब तमाशा हो रहा
दारू के लिए भाग रहे हैं लोग
कोरोना पर भारी पड़ गया
दारू पीने का यह रोग
मधुशाला में भीड़ है जैसे
बिन दारू मर जायेंगे
लाकड़ाऊन के बाद अब जैसे
सब ठेके बन्द हो जाएंगे
सामाजिक दूरी का ख्याल नहीं
खिड़की पर ऐसे डटे हैं लोग
दारू से डर कर भाग गया हो
जैसे बेदर्द कोरोना रोग
लोग नहीं अब सुन रहे
क्या करे सरकार
दारू पीने वालों की
ठेकों पर भरमार
बिना मास्क और दूरी के
घूम रहे हैं लोग
नहीं समझते कोरोना को
कोई भयंकर रोग
गलतफहमी में मत रहना तुम
बहुत भयानक है यह रोग

उनसे पूछो जिनको हो गया
भुक्त चुके हैं जो कोई लोग
मास्क पहनों दूरी रखो
तभी तो हम बच पाएंगे
बचे रहेंगे तभी तो हम फिर
सबको गले लगाएंगे

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपुर हि प्र

अमित साध ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से बनाई दूरी

आमिर खान के बाद अब 'काई पो छे', 'सुल्तान' और 'गोल्ड' जैसी फिल्मों के अभिनेता अमित साध ने सोशल मीडिया से दूरी बना ली है। उन्होंने इसे पूरी तरह से नहीं छोड़ा है। लेकिन वे अब यहां कोट्स, फोटो और वीडियो शेयर नहीं करेंगे। बुधवार को उन्होंने एक पोस्ट साझा कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा है, 'मैं ऑफलाइन हो रहा हूं। हाल ही में हुई घटनाओं ने मुझे यह अहसास दिलाया कि क्या मुझे अपनी फोटो और रील्स शेयर करने चाहिए। खासकर तब जब मेरा शहर मुंबई और पूरा राज्य कड़े प्रतिबंधों के तहत है और पूरा देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है।'

गंभीरता को स्वीकार न करने पर निराशा होती है

अमित साध ने अपनी पोस्ट में उन लोगों की मदद करने की गुजारिश की है, जिनकी सैलरी 2 या 3 जीरो में हैं। उन्होंने खासकर दिहाड़ी मजदूरों की हेल्प करने को कहा है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रभावित यही लोग हो रहे हैं। वे लिखते हैं, 'जीवन तब भी चलना चाहिए, जब यह मुझे बोझ लगने लगे। जब हम गंभीरता को स्वीकार नहीं करते और इसके बारे में बात नहीं करते तो मैं निराश हो जाता हूं। हम ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते, जैसे कि सबकुछ ठीक है। यह एक महामारी है।' अमित ने पोस्ट के अंत में फैन्स को संबोधित करते हुए लिखा है, 'मेरे फैन्स के लिए स्पेशल नोट। मैं आप लोगों को छोड़ नहीं रहा हूं। आप अच्छे से जानते हैं कि मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा। जब बातचीत की जरूरत हो तो मेरे डीएम (डायरेक्ट मैसेजिंग) पर आएं, जैसा कि आप हमेशा करते हैं। मैं यहां हूं, लेकिन कोट्स, पिक्चर्स और रील्स पोस्ट नहीं करूंगा। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि यह मेरे लिए अपनी विशेषाधिकार प्राप्त जिंदगी का दिखावा करने का समय नहीं है।'

'मेरे जिम सेशन की पोस्ट किसी को ठीक नहीं करेंगी ?'

अमित ने आगे लिखा है, 'मुझे लगता है कि मेरे जिम सेशन की पोस्ट या रील्स, मैं जो बेवकूफाना हरकतें करता हूं, वे किसी को ठीक नहीं करेंगे या किसी का मनोरंजन नहीं करेंगे। यह किसी की आलोचना नहीं है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि सिचुएशन को लेकर सेंसेटिव होने का सबसे सही तरीका चीजों के बेहतर होने की दुआ और उम्मीद करना है।'

अक्षय जैसे बड़े स्टार्स ने सीक्रेट कॉल कर 'थलाइवी' के ट्रेलर की तारीफ की : कंगना

कंगना की अपकमिंग फिल्म 'थलाइवी' का ट्रेलर कुछ दिन पहले ही रिलीज किया गया था। जिसकी फैंस और क्रिटिक्स ने भी जमकर तारीफ की थी। अब हाल ही में कंगना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि 'थलाइवी' के ट्रेलर की अक्षय कुमार जैसे कई बड़े स्टार्स ने भी सीक्रेट कॉल और मैसेज कर तारीफ की थी। साथ उन्होंने यह भी कहा है कि 'मूवी माफिया' के डर से ये बड़े स्टार्स मेरी फिल्मों की खुल कर तारीफ नहीं करते।

अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स सीक्रेट कॉल कर करते हैं तारीफः कंगना ने ये पोस्ट स्क्रीन राइटर अनिरुद्ध गुहा के एक पोस्ट के जवाब में किया है। अनिरुद्ध ने पोस्ट शेयर कर कंगना की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, 'कंगना रनोट एक असाधारण, पीढ़ी में एक बार होने वाली एक्ट्रेस हैं।' कंगना ने जवाब में लिखा था, 'बॉलीवुड इतना शत्रुतापूर्ण है कि यहां पर मेरी तारीफ करना भी लोगों को मुश्किल में डाल सकता है। मुझे कई सीक्रेट कॉल और मैसेज आते हैं अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स से भी और उन्होंने मेरी फिल्म थलाइवी के ट्रेलर की जमकर तारीफें की हैं। लेकिन, वे आलिया और दीपिका की फिल्मों की तरह मेरी फिल्मों की खुलकर तारीफें नहीं कर सकते, मूवी माफिया टेरर।'

काश आर्ट से जुड़ी इंडस्ट्री ऑब्जेक्टिव रह पाती

इसके बाद कंगना ने एक और पोस्ट शेयर कर लिखा, 'काश आर्ट से जुड़ी एक इंडस्ट्री ऑब्जेक्टिव रह पाती, जब भी आर्ट की बात होती। और पावर के खेल और राजनीती में ना शामिल होती, जब सिनेमा की बात आती। मेरे पॉलिटिकल व्यूज और आध्यात्म मुझे बुली करने के लिए टारगेट नहीं बनाए जाने चाहिए। लेकिन, वे ऐसा करते हैं तो जाहिर तौर पर मैं ही जीतूंगी।'

काजोल से लेकर शिल्पा तक, इन एक्ट्रेसेस ने झेला मिसकैरेज का दर्द

हाल ही में 'परदेस' फेम एक्ट्रेस महिमा चौधरी ने खुलासा किया है कि सपनी शादीशुदा जिंदगी की परेशानियों के चलते दो बार उनका मिसकैरेज हुआ था। महिमा ने बॉबी मुखर्जी से शादी की थी लेकिन कुछ सालों में ही दोनों का तलाक हो गया। दो मिसकैरेज के बाद तीसरी बार महिमा को मां बनने में सफलता मिली और उन्होंने बेटी को जन्म दिया। अब वह सिंगल मदर के तौर पर बच्ची की परवरिश कर रही हैं। वैसे, महिमा के अलावा कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी हैं, जो मिसकैरेज के बुरे दौर से गुजर चुकी हैं। इनमें काजोल, शिल्पा शेट्टी भी शामिल हैं।

काजोल

शादी के शुरूआती महीनों में ही काजोल भी मिसकैरेज का दर्द झेल चुकी हैं। काजोल पहली बार 2001 में प्रेग्नेंट हुईं, लेकिन प्रेग्नेंसी पीरियड के दौरान कुछ दिक्कतों की वजह से उनका मिसकैरेज हो गया। हालांकि, बाद में 20 अप्रैल, 2003 को काजोल ने बेटी न्यासा को जन्म दिया। न्यासा के बर्थ के 7 साल बाद काजोल दोबारा मां बनीं और उन्होंने 13 सितंबर, 2010 को बेटे युग को जन्म दिया।

शिल्पा शेट्टी

बिजनेसमैन राज कुंद्रा से साल 2009 में शादी के कुछ महीनों बाद ही खबर आई कि शिल्पा शेट्टी प्रेग्नेंट हैं। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक अपने पहले बच्चे के जन्म से पहले ही शिल्पा का मिसकैरेज हो गया। बाद में 21 मई, 2012 को शिल्पा ने बेटे वियान को जन्म दिया। इसके कई सालों बाद जब शिल्पा ने दूसरे बच्चे के लिए ट्राय किया तो उन्हें सफलता नहीं मिली जिससे वह बेहद निराश हो गईं। बाद में उन्होंने सरोगेसी की मदद ली जिसके बाद उनके यहां बेटी समीषा का जन्म हुआ।

शिल्पा सकलानी

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा सकलानी ने भी खुलासा किया था कि आखिर क्या वजह रही कि वो शादी के 15 साल बाद भी प्रेग्नेंट नहीं हो पाईं। उन्होंने कहा- 'प्रेग्नेंसी के लिए मैं मेडिकली अनफिट थी, इसलिए मुझे कुछ वक्त तक इंतजार करने के लिए कहा गया था।' ऐसे ही कई साल निकल गए और मिसकैरेज के कारण वो अब तक मां नहीं बन पाई हैं।

कश्मीरा शाह

कृष्णा और कश्मीरा मई 2017 में ही जुड़वां बेटों के पेरेंट्स बने हैं। बच्चों का जन्म सरोगेसी के जरिए हुआ। बच्चों के जन्म के बाद कश्मीरा ने एक इंटरव्यू में बताया था, 'मैंने फैमिली प्लानिंग के लिए अपने काम से भी दूरी बना ली और कई साल कंसीव करने की कोशिश की लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब नैचुरली प्रेग्नेंट नहीं हुई तो मैंने कृत्रतकनीक का भी सहारा लिया। आप यकीन नहीं करेंगे कि मैं 14 बार प्रेग्नेंट होने में नाकाम रही और मिसकैरेज हो गया। मेरी हेल्थ भी डाउन हो गई थी। मेरा काफी वजन भी बढ़ गया था।' बकौल कश्मीरा, 'बाद में वजन घटाना मेरे लिए काफी मुश्किल हो गया। मेरी कमर 24 से 32 हो गई और ये फेज मेरे लिए बहुत दर्दनाक था लेकिन मैंने गिवअप नहीं किया। इस बीच कई लोगों ने कमेंट किया कि फिगर के लिए मैं प्रेग्नेंट नहीं हुई लेकिन ऐसा नहीं है। मैंने हर वो कोशिश की। मैं उस सेरोगेट मदर का सच में दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं जिसने मेरे बच्चों को जन्म दिया और इतना दर्द सहा।' कपल के दोनों बेटों का नाम रयान और क्रिशांक हैं।

जब भी मैं थक जाता हूं या फुर्सत में होता हूं, तो मैं अंजलि और नंदिनी के क्लासिकल गाने सुनता हूं : ए. आर. रहमान

रियलिटी शो 'इंडियन आइडल सीजन 12' के आने वाले महाम्यूजिकल वीकेंड में ड्रामा, मनोरंजन और संगीत से सजी एक शाम देखने को मिलेगी। इस शो में सबसे महान संगीतकारों में से एक ऑस्कर विनर ए. आर. रहमान मेहमान बनकर पहुंचेंगे। वो कंटेस्टेंट्स की आवाज का जश्न मनाएंगे और इस शो के बारे में कुछ दिलचस्प किस्से भी बताएंगे। दूसरी ओर, रित्विक धनजानी पहली बार अपने खास स्टाइल में इस शो को होस्ट करते नजर आएंगे और जजों और कंटेस्टेंट्स के साथ शानदार वक्त बिताएंगे।

रित्विक ने शो में जब ए. आर. रहमान से जानना चाहा कि वो अपने खाली वक्त में किस तरह का संगीत सुनना पसंद करते हैं, तो उन्होंने कहा, 'जब भी मैं थका होता हूं या फुर्सत में होता हूं तो मैं अंजलि और उनकी बहन नंदिनी के क्लासिकल गाने सुनता हूं। मैंने उन्हें (अंजलि) सोशल मीडिया पर सुना है और उन्होंने मेरी फिल्म 'सचिनः ए बिलियन ड्रीम्स' में प्लेबैक भी किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं दोनों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'

मैं बेहद खुश और प्रोत्साहित महसूस कर रही हूंः अंजलि

सिंगर अंजलि ने इस पर कहा, 'फिल्म 'सचिनः ए बिलियन ड्रीम्स' के लिए ए. आर. अमीन (ए आर रहमान के बेटे) के साथ मर्द मराठा जैसे गाने गाना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि स्वयं संगीत के देवता इस सेट पर आए हैं और इतने बड़े मंच पर मेरी तारीफ कर रहे हैं। मैं बेहद खुश और प्रोत्साहित महसूस कर रही हूं और यह मुझे अपने सिंगिंग करियर में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा, ताकि मुझे ऐसे और मौके मिल सकें।' रहमान अपनी फिल्म '99' के सान्ग को प्रमोट करने 'इंडियन आइडल' के सेट पर गए थे।

आदित्य नारायण के बाद कंटेस्टेंट पवनदीप कोविड पॉजिटिव

'इंडियन आइडल 12' के सेट पर कोरोना का दायरा बढ़ गया है। होस्ट आदित्य नारायण के बाद अब इसके सबसे पॉपुलर कंटेस्टेंट में शामिल पवनदीप राजन भी कोविड पॉजिटिव हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तराखंड के रहने वाले पवनदीप को मुंबई के ही एक होटल में क्वारैंटाइन किया गया है और वे सेल्फ आइसोलेशन में हैं। पिछले सप्ताह ही इस शो में 66 साल की सदाबहार अभिनेत्री रेखा मेहमान बनकर पहुंची थीं और पवनदीप ने उनके साथ काफी देर तक परफॉर्मेंस दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अपकमिंग एपिसोड में पवनदीप वर्चुअली अपनी परफॉर्मेंस देंगे। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में लिखा गया है, 'महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना केसों के चलते 'इंडियन आइडल' के ज्यादातर कंटेस्टेंट एक तरह के बायो बबल में हैं। रिस्क फैक्टर बढ़ गया है।' बताया जा रहा है कि पवनदीप को जैसे ही कोविड के लक्षण महसूस हुए, वैसे ही उन्होंने खुद को आइसोलेट किया और टेस्ट करा लिया। पवनदीप के पॉजिटिव आने के बाद शो के दूसरे कंटेस्टेंट्स, जज और क्रू मेंबर्स की जांच भी कराई गई है। सभी की रिपोर्ट जल्दी ही आ सकती है।

जब आध्यात्म की शरण में गए सितारे

टीवी शो 'रोडीज रेवोल्युशन' में नजर आए कंटेस्टेंट और मॉडल साकिब खान ने ग्लैमर की दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने धर्म और इस्लाम के रास्ते पर चलने के लिए यह फैसला किया है। इस बात की घोषणा साकिब ने खुद सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट शेयर कर की है। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि अब वे भविष्य में मॉडलिंग या एक्टिंग का काम नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मैं अल्लाह के रास्ते से गुमराह हो गया था। साकिब से पहले भी कई सेलेब्स ने भी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ आध्यात्म की ओर कदम बढ़ाए हैं।

80 के दशक में विनोद खन्ना स्टारडम के चरम पर थे। यही वो समय था जब उनकी लोकप्रियता अमिताभ बच्चन के बराबर हो चली थी। कहा जाने लगा था कि जल्द ही वह अमिताभ को पीछे छोड़ इंडस्ट्री के टॉप सुपरस्टार बन जाएंगे लेकिन इसी दौरान अपनी मां के देहांत से विनोद खन्ना टूट गए। इसी समय उनके दोस्त महेश भट्ट ने उन्हें आध्यात्म की ओर जाने की सलाह देते हुए ओशो रजनीश के बारे में बताया। विनोद ओशो के आश्रम गए और वहीं के होकर रह गए। पांच वर्ष तक संन्यासी जीवन जीने के बाद विनोद फिर से मुंबई आ गए और फिल्मी दुनिया में दोबारा कदम रखा। विनोद खन्ना की फिल्मों में फिर से जगह बनाने की कोशिश नाकाम रही। उन्होंने अपनी पत्नी गीतांजलि को भी तलाक दे दिया था।

सना खान

'बिग बॉस 6', 'जय हो' में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सना खान भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को बाय-बाय कहने के कारण चर्चा में आ चुकी हैं। पिछले साल वह आध्यात्म की राह पर चल पड़ी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात का खुलासा करते हुए लिखा था कि अब अल्लाह के बताए रास्ते पर चलकर मानवता की सेवा करेंगी।

जायरा वसीम

सना की ही तरह जायरा वसीम ने जून 2019 में फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने की बात कहकर सबको हैरान कर दिया था। 'दंगल' से दमदार डेब्यू कर चुकीं जायरा ने कुल तीन फिल्मों में ही काम कर बॉलीवुड को अलविदा कह दिया था। उनका कहना था कि उन्हें इस प्रोफेशन में खुशी नहीं मिली क्योंकि इससे उनके धर्म को मानने में रुकावट महसूस हो रही थी।

अनु अग्रवाल

1990 में आई फिल्म 'आशिकी' ने अनु को रातोंरात स्टार बना दिया था। इस फिल्म में बाद वो कई और फिल्मों में दिखीं लेकिन उन्हें 'आशिकी' जैसी पॉपुलैरिटी नहीं मिली। अब ग्लैमर वर्ल्ड से दूर अनु झुग्गी-झोपड़ी में जाकर गरीब बच्चों को फ्री योगा सिखाती हैं। 1996 के बाद फिल्मी दुनिया से गायब हो गईं अनु ने योगा और आध्यात्म की तरफ रुख कर लिया था। इसी बीच 1999 में हुए एक रोड एक्सीडेंट ने अनु की लाइफ बदल दी। इस हादसे में न सिर्फ उनकी याददाश्त चली गई थी, बल्कि वो पैरालाइज्ड हो गई थीं। लगभग 29 दिनों तक कोमा में रहने के बाद जब अनु होश में आईं, तो वह खुद को पूरी तरह से भूल चुकी थी। याद्शात खो चुकीं अनु के लिए ये उनका पुर्नजन्म ही था कि लगभग 3 साल तक चले लंबे ट्रीटमेंट के बाद उनकी याददाश्त वापस आ गई। अनु अपनी कहानी को आत्मकथा 'अनयूजवलः मेमोइर ऑफ ए गर्ल हू केम बैक फ्रॉम डेड' में समेटा है।

सोफिया हयात

बिग बॉस सीजन-7 की कंटेस्टेंट और मॉडल सोफिया भी 2016 में शो बिज छोड़ नन बनने के चलते सुर्खियों में आई थीं। उनका कहना था कि वह रातोंरात नन नहीं बन गईं, बल्कि रिलेशनशिप में प्रताड़ित होने के कारण आखिर में उन्होंने ऐसा कदम उठाया था। हालांकि, लोगों ने इसे पब्लिसिटी स्टंट करार दिया था।

ममता कुलकर्णी

कभी अपने ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज से सुर्खियां बटोरने वाली ममता कुलकर्णी ने पांच साल पहले साध्वी बन सबको चौंका दिया था। बॉलीवुड की गलियों को छोड़ अब वे आध्यात्म की राह पर चल पड़ी थीं। 2013 में उन्होंने अपनी किताब 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ एन योगिनी' रिलीज की थी। इस दौरान फिल्मी दुनिया को अलविदा कहने की वजह बताते हुए ममता कुलकर्णी ने कहा था, 'कुछ लोग दुनिया के कामों के लिए पैदा होते है, जबकि कुछ ईश्वर के लिए पैदा होते हैं। मैं भी ईश्वर के लिए पैदा हुई हूं।'

एक नजर...

पगड़ी पहनकर दुल्हन लेने जा रहा था दूल्हा, बारात निकलने से पहले ही पुलिस ने दबोचा

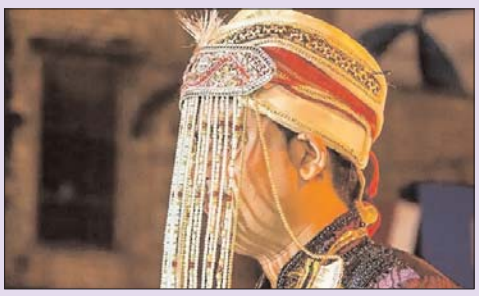

बदायूं। शादी तय होने के बाद दूल्हा बस उस दिन का इंतजार करता है जब उसके सिर पर सेहरा सजता है। तब तक दूल्हा दुल्हन लाने के इंतजार में रात दिन सपने देखता रहता है। लेकिन जब शादी वाले ही पुलिस दूल्हे को पकड़ ले तो परिवार के साथ-साथ दूल्हे के भी सपनों पर पानी फिर जाता है। जी हां। यूपी के बदायूं जिले में कुछ ऐसा ही हुआ। एक लड़के की बारात निकलनी थी। घर में बारात निकलने की पूरी तैयारी हो चुकी थी। हलवाई से लेकर बैंडबाजा पूरी तरह तैयार था। दूल्हा भी पगड़ी पहनकर बस दुल्हन लाने के सपने देख रहा था। इसी बीच किसी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा दी कि जिसकी लड़की की बारात निकल रही है वह नाबालिग है। इसके बाद आनन-फानन पुलिस सतर्क हो गई और नाबालिग दूल्हे को उसके घर के दरवाजे पर ही पकड़ लिया। दरवाजे पर पुलिस को देखकर परिवार वाले भी हड़बड़ा गए और पुलिस से उसके बेटे को छोड़ने की मिन्नतें करने लगें। काफी मान मनौव्वल के बाद दूल्हे के परिवार वालों ने लिखकर दिया कि उनका लड़का जब बालिग होगा तो ही उसकी शादी करेंगे। इसके बाद पुलिस वापस लौट गई। नगर के मोहल्ला होलीचौक में मंगलवार को एक नाबालिग की बारात बिल्सी के पास गांव बैरमई जानी थी। मुख्यमंत्री पोर्टल पर किसी ने शिकायत कर पूरी स्थिति बताई तो वहां से कोतवाली पुलिस को कार्रवाई का निर्देश मिला। नतीजतन पुलिस वहां पहुंची तो देखा कि बारात तैयार थी और नाबालिग दूल्हा पगड़ी बांधकर घर से निकलने जा रहा था। पुलिस ने पूरी तैयारी रुकवा दी। इस पर नाबालिग के परिजन अपनी मर्जी से शादी पर अड़ गए। जबकि पुलिस ने शादी करने पर वर-वधू पक्ष समेत इस रस्म में सहयोग करने वाले टैंट व्यवसायी, हलवाई आदि सभी पर कार्रवाई की बात कही तो ये लोग मान गए। बाद में दूल्हे के परिजनों ने लिखित में दिया कि वो उसकी शादी बालिग होने के बाद करेंगे।

बुलंदशहरः प्रधान प्रत्याशी की शराब पीने से 2 की मौत, दो की हालत गंभीर

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के गांव छपरावत में ग्राम प्रधान प्रत्याशी की बांटी हुई शराब पीने से बुधवार को गांव के दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। शराब के सेवन से नीटू तोमर उम्र 37 वर्ष पुत्र धर्म सिंह और अमजद 35 वर्ष की मौत हो गई। जबकि 2 लोग बीमार होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। डीएम रविंद्र कुमार, एसएसपी और सीएमओ सहित अन्य अधिकारी गांव में पहुंचे। एसपी सिटी सुरेंद्र नाथ तिवारी ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। डीएम ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। शराब ठेके से ली गई बताई गई है।बताया जा रहा है कि प्रधान पद के प्रत्याशी ने उक्त शराब को बांटा है। पुलिस उसे तलाश कर रही है। पूरे मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

मास्क की चेकिंग कर रहे दारोगा को थप्पड़ मारकर भाग गया लड़का

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मास्क चेकिंग के दौरान एक लड़का दारोगा को थप्पड़ मारकर भाग निकला। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल होने के बाद इस घटना की चर्चा जोरों पर है। वहीं पुलिस अपनी किरकिरी से बचने के लिये अज्ञात आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की बात कह रही है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में फाजिलनगर चौकी प्रभारी दिग्विजय सिंह अपनी सरकारी गाड़ी में बैठे नजर आ रहे हैं। वह गाड़ी में बैठे-बैठे ही एक लड़के को डांट रहे हैं, जिसने मास्क नहीं पहना है। कुछ समय बाद ही वह लड़का अचानक उन पर हाथ चला देता है और वहां से भाग निकलता है। यह देख बगल में खड़ा एक सिपाही उसको पकड़ने के लिये उसके पीछे दौड़ता है लेकिन लड़का सिपाही पहुंच से दूर निकल जाता है। वायरल वीडियो देखने से यह घटना फाजिलनगर कस्बे के कालेज रोड की लग रही है क्योंकि कालेज रोड पर सड़क चौड़ीकरण के लिये मकान टूट रहे हैं। वहां नई सीसी रोड का निर्माण भी हुआ है जो वीडियो में साफ दिख रहा है। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। इस बारे में थानाध्यक्ष पटहेरवा सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस इस घटना को लेकर काफी गंभीर है। आरोपी लड़के के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिससे ऐसी घटना की पुनरावृत्ति करने का साहस कोई न कर सके।

बहू की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर परिवार वालों ने किया हमला, दारोगा का सिर फोड़ा

लखीमपुर-खीरी। यूपी के लखीमपुरखीरी जिले की मोहम्मदी कोतवाली क्षेत्र के गांव में बहू की सूचना पर पहुंची डायल 112 पीआरवी के इंचार्ज समेत पूरी टीम पर हमला हो गया। सास, ससुर समेत चार लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दरोगा का सिर फोड़ दिया। पुलिस ने चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीआरवी 2870 पर तैनात एसआई अश्वनी कुमार ने पुलिस को सूचना दी कि मंगलवार रात पौने ग्यारह बजे करीब असौवा के मजरा झारकोठा की सरला देवी ने मोबाइल पर सूचना कि उसके सास, ससुर उसकी मारपीट कर हत्या की साजिश कर रहे हैं। जिस पर डायल-112 की टीम ने कॉलर की सूचना पर घर जाकर पीड़िता से पूछताछ की। इसी दौरान उसके ससुर बेंचेलाल, सास तारावती और उसके दो पुत्रों अशोक और लाखन ने एकराय होकर लाठी डंडों से हमला बोल दिया जिससे दरोगा लहूलुहान होकर गिर पड़े। उसे बचाने आए आरक्षी प्रदीप कुमार और चालक परमेश्वरदीन भी जख्मी हो गए। पुलिस टीम पर हमले की सूचना आग की तरह फैल गई जिस पर सीओ अभय प्रताप मल्ल, निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचे जख्मी एसआई अश्वनी कुमार को सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने अश्वनी कुमार की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मार पीट कर सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीएम योगी हुए सख्त-रेमडेसिविर जैसी दवाओं की कालाबाजारी पर ह्न लगेगा

अस्पताल रोज बताएंगे कितने बेड हैं खाली

लखनऊ । कोरोना के बढ़ते मामलों और बदइंतजामी के आरोपों के बीच योगी सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। सीएम योगी ने बुधवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिए गठित टीम -11 के अधिकारियों को कई निर्देश दिए। इनमें रेमडेसिविर जैसी दवाओं की कालाबाजारी पर एनएसए और गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने के साथ ही अस्पतालों के लिए रोज अपने बेडों की जानकारी सार्वजनिक करने जैसे कई आदेश उन्होंने दिए।

सीएम ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन और फैबीफ्लू जैसी जीवनरक्षक मानी जा रही दवाओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए आवश्यक है कि इसकी लगातार निगरानी की जाए। ऐसी दवाओं और इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाए। रेमेडेसीवीर उत्पादनकर्ता कंपनियों से लगातार संपर्क में रहें। कल तक प्रदेश को 10,000 वॉयल और प्राप्त हो जाएंगी। सीएम ने प्रतिदिन 50,000 वॉयल रेमेडेसीवीर की आपूर्ति के हिसाब से डिमांड भेजने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि अस्पतालों में खाली बेड्स के बारे में हर दिन जानकारी सार्वजनिक की जाए। इससे मरीजों के परिजनों को काफी सहूलियत होगी। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की भूमिका इस कार्य मे अत्यंत उपयोगी है। इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि बीते 24 घंटे में प्रदेश में 14 हजार से भी अधिक मरीज कोविड संक्रमण से ठीक होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेशवासी धैर्य और संयम बनाये रखें। उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं हों अथवा जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, किसी भी चीज का अभाव नहीं है। कोविड के लक्षण दिखें तो टेस्ट कराएं, चिकित्सकों के निर्देशों का पालन करें।

वर्तमान परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश में पूर्ण लॉकडाउन लगाने का कोई विचार नहीं है। हमें लोगों के जीवन और जीविका दोनों की ही चिंता है। परिस्थितियों का आंकलन करते हुए सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है। कोरोना कर्फ्यू और साप्ताहिक बंदी जैसे प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए। मास्क, सैनिटाइजर और दो गज दूरी जैसे कोविड विहेवियर को पूरी ईमानदारी के साथ अमल में लाया जाए। लापरवाह लोगों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए।

व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए नहीं मिलेगी ऑक्सीजन-सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। मांग के अनुरूप ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत सरकार से आवंटित ऑक्सीजन को यथाशीघ्र प्रदेश में उपलब्ध कराया जाए। ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति में संतुलन बना रहे इस हेतु सभी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन का ऑडिट कराया जाना चाहिए। ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम कार्रवाई की जाए। अति गंभीर परिस्थिति को छोड़कर किसी भी इंडिविजुअल व्यक्ति को ऑक्सीजन की आपूर्ति न की जाए। केवल संस्थागत आपूर्ति ही होगी। सीएम ने कहा कि सभी ऑक्सीजन रीफिल केंद्रों पर जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती की जाए। यह सुनिश्चित करें कि ऑक्सीजन का वितरण पारदर्शी ढंग से हो। ऑक्सीजन टैंकर को जीपीएस से जोड़ा जाए तथा प्लांट्स पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, औद्योगिक विकास, एमएसएमई तथा गृह विभाग आपसी समन्वय से इस कार्य को करें। टैंकर/सिलिंडर का कोई अभाव नहीं है। प्रत्येक अस्पताल में न्यूनतम 36 घंटे का ऑक्सीजन बैकअप होना चाहिए।

टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट का दिया मंत्र-सीएम ने कहा कि कोविड से लड़ाई में जीत के लिए टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट का मंत्र सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं है। सभी निजी एवं सरकारी कोविड टेस्टिंग प्रयोगशालाएं अपनी पूरी क्षमता के साथ टेस्टिंग कार्य करें। किसी भी प्रयोगशाला को टेस्ट करने पर कोई रोक नहीं है। जांच के लिए शुल्क की दर पूर्व में ही तय की जा चुकी है। आरआरटी की संख्या बढ़ाई जाए। क्वालिटी कंट्रोल को प्रत्येक दशा में सुनिश्चित की जाए। टेस्टिंग की वर्तमान क्षमता को दोगुनी किये जाने के ठोस प्रयास हों। कोविड-19 के प्रसार को देखते हुए सभी जनपदों में कोविड बेड की संख्या दो गुनी करने के लिए पूरी तत्परता से कार्यवाही की जाए। स्वास्थ्य विभाग कोविड अस्पतालों में आईसीयू तथा आइसोलेशन बेड के जनपदवार डाटा तैयार कर लें, जिससे कोरोना मरीजों को त्वरित उपचार पूरी सहजता से उपलब्ध हो सके। सभी जिलों में न्यूनतम 200-200 अतिरिक्त बेड बढ़ाये जाने के प्रयास हों। सीएम ने लखनऊ के केजीएमयू और बलरामपुर चिकित्सालय को पूरी क्षमता के साथ डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के तौर पर संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य को शीर्ष प्राथमिकता दें। एरा, टीएस मिश्रा, इंटीग्रल, हिन्द, प्रसाद, सक्सेना तथा मेयो मेडिकल कॉलेज आदि डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल के रूप में क्रियाशील हैं। यहां बेड की बढ़ोतरी की जाए। इन सभी अस्पतालों के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। इन अस्पतालों में संसाधनों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए।

लखनऊ और प्रयागराज में अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत-सीएम ने कहा कि लखनऊ व प्रयागराज में मरीजों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। प्रयागराज में स्वरूप रानी और यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज, कॅरियर सहित अन्य सभी चिकित्सकीय संस्थानों में बेड की संख्या बढ़ाने के ठोस प्रयास किए जाएं। नॉन कोविड हॉस्पिटल के सुचारु क्रियान्वयन पर भी ध्यान दिया जाए। दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आ रहे प्रवासी कामगार/श्रमिकों की टेस्टिंग करते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार क्वारन्टीन एवं चिकित्सा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। लक्षणविहीन लोगों को न्यूनतम एक सप्ताह और लक्षणयुक्त लोगों को 02 सप्ताह के लिए अनिवार्य रूप से क्वारन्टीन किया जाए। इनकी व्यवस्थित मॉनिटरिंग हो। कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को बढ़ाया जाना चाहिए।

टीकाकरण अभियान की करें तैयारी-सीएम ने कहा कि राज्य मंत्रिपरिषद ने 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के निःशुल्क कोविड टीकाकरण कराए जाने का निर्णय लिया है। कोविड से लड़ाई में यह सबसे अहम प्रयास होगा। स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में आवश्यक तैयारी प्रारंभ कर दे। स्वच्छता, सैनिटाइजेशन तथा फॉगिंग का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए। इसके लिए फायर विभाग के वाहनों का उपयोग किया जाए। वर्तमान में प्रदेश में 77 हजार से अधिक कंटेनमेंट जोन बनाये गए हैं। कंटेनमेंट ज़ोन के प्राविधानों को सख्ती से लागू किया जाए। मास्क के अनिवार्य उपयोग के संबंध में प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही की जाए। निगरानी समितियों से संवाद बनाकर उनसे फीडबैक लगातार प्राप्त किया जाए।

ऑक्सीजन उत्पादन और रीफिलिंग इकाइयों को मिले निर्बाध बिजली-सीएम योगी ने अस्पतालों, ऑक्सीजन उत्पादन और रीफिलिंग से जुड़ी इकाइयों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए गतिविधियां संचालित की जाएं। बेहतर कोविड प्रबंधन में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की महत्वपूर्ण भूमिका है। लखनऊ सहित सभी जनपदों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो। आईसीसीसी के माध्यम से बेड आवंटन की जानकारी, समय पर एम्बुलेंस की उपलब्धता आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं।

साप्ताहिक बंदी को सफल बनाएं-सीएम ने शुक्रवार रात 08 बजे से सोमवार सुबह 07 बजे तक की प्रदेशव्यापी साप्ताहिक बंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही रात **आठ बजे से सुबह सात बजे तक नाइट कर्फ्यू को सफल-**बनाने की अपील सीएम ने की। उन्होंने कहा कि इस दौरान आवश्यक सेवाओं और औद्योगिक इकाइयों को छोड़कर शेष सारी गतिविधियां प्रतिबन्धित रहेंगी। कोविड संक्रमण की रोकथाम में यह महत्वपूर्ण प्रयास होगा।

50 फीसदी एंबुलेंस कोरोना मरीजों के लिए-सीएम ने डॉयल-'108'एम्बुलेंस सेवा का 50 प्रतिशत उपयोग कोविड मरीजों के लिए करने का निर्देश दिया। उन्होंने एम्बुलेंस के रिस्पांस टाइम को कम करने की जरूरत बताई।

मां की लाश लेकर आ रही बेटी की रास्ते में बिगड़ी तबियत, एंबुलेंस में तोड़ दिया दम

लखीमपुर-खीरी। लखनऊ में इलाज करा रही मां की मौत हुई तो बेटी शव के साथ लखीमपुर आ रही थी। रास्ते में अचानक बेटी की हालत भी बिगड़ गई और एम्बुलेंस में ही उसकी जान चली गई। मां-बेटी की मौत की खबर सुन हर कोई सकते में है। कोई समझ नहीं पा रहा है कि दोनों की मौत कैसे हुई। घरवालों के मुताबिक मां को कई बीमारियों से ग्रसित थी। लेकिन बेटी को तो कोई बीमारी भी नहीं थी। स्वास्थ्य विभाग ने इन मौतों की जानकारी से इनकार किया है।

खीरी थाना क्षेत्र के गांव झसिया में रहने वाले राजेश कुमार वर्मा की पत्नी सरोजनी वर्मा (66) रिटायर्ड प्रधानाध्यापक थी। वह करीब 4 साल पहले प्राथमिक विद्यालय फत्तेपुर से रिटायर हुई थी। कुछ दिनों पहले उनकी तबीयत बिगड़ गई। उनको बुखार की भी शिकायत थी। सरोजनी वर्मा पहले से भी कई बीमारियों से ग्रसित थी। उनको गंभीर हालत में लखनऊ में भर्ती कराया गया। जहां बुधवार की सुबह उनकी मौत हो गई। सरोजनी के कोरोना पॉजिटिव होने की बात परिजन नहीं कह रहे। सरोजनी की मौत के परिजन उनके शव को एम्बुलेंस से

लेकर घर आ रहे थे। एम्बुलेंस में उनकी बेटी सीमा वर्मा (40) भी थी। बताया जाता है कि एम्बुलेन्स जब शव लेकर लखनऊ से इटौंजा के आगे निकली, तभी उसमें बैठी सीमा वर्मा की भी हालत बिगड़ गई। घरवाले कुछ समझ पाते इससे पहले ही सीमा की भी एम्बुलेंस में ही मौत हो गई। शव के साथ आ रहे बेटे ने फोन कर घरवालों को अफसोसजनक खबर दी। मां के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे गांव वाले बेटी की मौत से सकते में हैं। मां बेटी की मौत ने पूरे परिवार को तोड़ कर रख दिया है। सभी का रो रो कर बुरा हाल है। दोनों की मौत की खबर जब गांव पहुंची तो हर कोई गमजदा हो गया। किसी की समझ नहीं आया कि अचानक यह क्या हो गया। दोनों की मौत कैसे हुई यह भी साफ नहीं हो पाया है।

चार दिन पहले सगे भाइयों की हुई थी मौत-खीरी जिले में मौतों की घटनाएं लोगों को डरा रही हैं। चार दिन पहले लखीमपुर के संतोषनगर में तीन सगे भाइयों की मौत हो गई थी। तब भी शहर अवाक था। इन तीनों भाइयों में भी कोरोना की पुष्टि नहीं थी। फिर भी इसे कोरोना संक्रमण से मौत माना जा रहा था। लगातार परिवार के कई सदस्यों की एक साथ मौत ने लोगों को दहशत में डाल दिया है।

स्वास्थ्य विभाग को जानकारी नहीं-मां-बेटी की मौत के बारे में स्वास्थ्य विभाग को जानकारी नहीं है। विभाग को यह भी नहीं पता कि उनमें कोरोना था या नहीं। एक अधिकारी ने बताया कि मौत उनके जिले में नहीं हुई है, इसलिए वह कुछ नहीं कह सकते। लखनऊ के अस्पताल के पर्चे देखकर पता चलेगा। उनका कहना है कि कोरोना से मौत होती तो घरवालों को शव ही नहीं सौंपा जाता। इसलिए मान लीजिए कि कोरोना नहीं था।

यूपी पंचायत चुनाव : पहले चरण के इन नौ जिलों के बीस पोलिंग बूथों पर होगा पुनर्मतदान

लखनऊ। पंचायत चुनाव के पहले चरण के 18 जिलों में से उन नौ जिलों में जहां 15 अप्रैल को मतदान के दौरान गड़बड़ियां हुई थीं उन जिलों के 20 पोलिंग बूथों पर बुधवार को पुर्नमतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने इन नौ जिलों के सम्बंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद यहां पुर्नमतदान के निर्देश दिये थे। कोरोना संक्रमण की दहशत की वजह से इस पुर्नमतदान में वोटरों का उत्साह नहीं रहा। इनमें प्रयागराज के सोरांव विकास खण्ड के एक, आगरा के विकास खण्ड फतेहाबाद के रिहावनी ग्राम पंचायत और विकास खंड जगनेर के चन्दसौरा के एक पोलिंग बूथ और जौनपुर के विकास खंड के जलालपुर के पुरेव ग्राम पंचायत में दो पोलिंग बूथों पर पुर्नमतदान हुआ। इसी क्रम में रामपुर के भाहाबाद विकास खंड के दो और स्वार विकास खंड के एक, हरदोई के विकास खंड हरपालपुर के मोल्हनपुर ग्राम पंचायत के एक पोलिंग बूथ, कानपुर नगर के विधनू विकास खंड के एक पोलिंग बूथ पर पुर्नमतदान करवाया गया। रायबरेली के विकास खंड राही के एक, विकास खंड महाराजगंज के दो, विकास खंड हरचन्दपुर के एक, झांसी के विकास खंड मोठ के दो और अयोध्या के विकास खंड मिल्कीपुर और सोहावल के एक-एक, विकास खंड बीकापुर के दो पोलिंग बूथों पर फिर से वोट डाले गये।

मेरठ में चला ऑपरेशन ऑक्सीजनः आधी रात 61 मरीजों की जान बचाई, 12 को किया शिफ्ट

मेरठ। मेरठ में हापुड़ रोड स्थित संतोष हॉस्पिटल में जिसका डर था, मंगलवार आधी रात वही हो गया। यहां ऑक्सीजन खत्म हो गई। मरीज तड़पने लगे। गनीमत रही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का अमला फौरन सक्रिय हो गया। ऑपरेशन ऑक्सीजन शुरू किया गया। डीएम खुद रात करीब एक बजे से ढाई बजे तक लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के चार अफसर जब तक ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हो गई मौके पर ही डटे रहे। करीब डेढ़ घंटे बाद हॉस्पिटल में 16 ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति हुई, तब जाकर मरीजों की सांस में सांस आई। अधिकारियों के अनुसार रात करीब एक बजे सूचना मिली कि संतोष हॉस्पिटल में ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने वाले हैं। तुरंत इसकी सूचना डीएम को दी गई। डीएम ने आपात व्यवस्था के तहत एडीएम सिटी अजय कुमार तिवारी, एसीएम चंद्रेश कुमार सिंह, सीएमओ डा. अखिलेश मोहन, एसीएमओ डा.पूजा शर्मा आदि के साथ मोबाइल पर स्थिति की जानकारी ली। ऑक्सीजन सप्लाई से जुड़ी कंपनियों और अधिकारियों से बात की गई।

आधे घंटे में शिफ्ट हुए 12 गंभीर मरीज-डीएम के निर्देश पर कुछ ही देर में चार आला अधिकारी संतोष हॉस्पिटल पहुंच गए। पता चला कि 20 मरीज गंभीर हैं। इनमें से 12 को आपातकालीन व्यवस्था के तहत दूसरे हॉस्पिटल में शिफ्ट करने की तैयारी शुरू हो गई। आधे घंटे में 11 मरीजों को एनसीआर मेडिकल कॉलेज और एक को लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट कर दिया गया।

डेढ़ घंटे में पहुंचाए 16 सिलेंडर-मरीजों की शिफ्टिंग के साथ ही ऑक्सीजन की सप्लाई के लिए अफसर लगातार सक्रिय रहे। रात करीब ढाई बजे तक संतोष हॉस्पिटल को 16 ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करा दिए गए। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, कुल 50 सिलेंडर अस्पताल को मिल चुके हैं। इस तरह आधी रात ऑपरेशन ऑक्सीजन समाप्त हुआ और सभी ने राहत की सांस ली। करीब पौने तीन बजे अधिकारी संतोष हॉस्पिटल से निकले।

भाजपा विधायक बोले, जब 220 रुपए लागत तो आम लोगों को

600 रुपए में क्यों मिलेगी वैक्सीन

गोरखपुर। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने 18 साल से ऊपर के सभी नागरिकों को टीका लगवाने का ऐलान कर दिया है। एक मई से टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस बीच गोरखपुर से भाजपा विधायक डा.राधा मोहन दास अग्रवाल ने वैक्सीन की लागत और आम आदमी के लिए कंपनी द्वारा बताई जा रही उसकी कीमत को लेकर सवाल उठाया है। विधायक ने एक ट्वीट के जरिए कहा कि वैक्सीन कोविशील्ड को जिन कीमतों पर भारत सरकार, राज्य सरकार और आम नागरिकों को उपलब्ध कराने की बात कही गई है उसमें बड़ी विसंगति है।

पेशे से चिकित्सक, डा.राधा मोहन दास अग्रवाल ने बताया कि कंपनी ने कहा है कि भारत सरकार को यह वैक्सीन दो सौ रुपए, राज्य सरकार को चार सौ और जनता को छह सौ रुपए में दी जाएगी। कंपनी ने वैक्सीन की लागत 220 रुपए बताई है। जब कंपनी भारत सरकार को 200 रुपए में वैक्सीन दे सकती है तो जनता को छह सौ रुपए में क्यों देगी क्या इस संकट काल में वैक्सीन से कमाई की सीमा नहीं तय होनी चाहिए पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष और स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को टैग करते हुए उन्होंने लिखा कि ऐसी फैक्ट्री का एपिडेमिक ऐक्ट में अधिग्रहण कर लेना चाहिए। विधायक ने कहा कि संकट काल में आखिर इन्हें कितना प्राफिट मार्जिन चाहिए।

एक मई से 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को लगेगा टीका-देश में कोरोना से जंग के लिए वैक्सीनेशन के अभियान को सरकार ने तेज करने का फैसला लिया है। 1 मई से 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों को अब कोरोना का टीका लगेगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मीटिंग में यह फैसला लिया गया है। 1 मई से देश भर में कोरोना टीकाकरण का तीसरा राउंड शुरू हो रहा है, जिसमें युवाओं को भी कवर किया जाएगा। अब तक 45 साल से अधिक आयु के लोगों को ही टीका लगाया जा रहा था। हालांकि दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों की ओर से युवाओं को भी टीका लगाए जाने की मांग की थी। पीएम नरेंद्र मोदी की देश के शीर्ष डॉक्टरों के साथ विचार मंथन के बाद यह फैसला लिया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार बीते एक साल से प्रयास कर रही है कि देश में ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को कम से कम समय में वैक्सीन दी जा सके। इस मीटिंग में घरेलू कंपनियों को वैक्सीन के अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित करने की बात कही गई है। इसके अलावा अन्य भारतीय और विदेशी वैक्सीन्स को भी मंजूरी देने की बात शामिल है।

राज्य सरकारें अपनी जरूरत के हिसाब से कर सकेंगी वैक्सीन की खरीद-इस मीटिंग में एक अहम फैसला यह भी हुआ है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां अपने कुल उत्पादन का 50 फीसदी हिस्सा राज्य सरकारों को देंगी, जबकि आधी खेप खुले बाजार में पहले से तय कीमत पर बेच सकेंगी। यही नहीं राज्य सरकारें अपनी जरूरत के हिसाब से सीधे कंपनियों से वैक्सीन की खरीद कर सकती हैं।

45 साल से अधिक आयु वालों को पहले की तरह लगता रहेगा टीका-इसके अलावा राज्य सरकार ने एक बात और साफ कही है कि पहले से तय प्राथमिकता समूह के लोगों का वैक्सीनेशन जारी रहेगा। फिलहाल 45 साल से अधिक आयु के लोगों को सरकारी केंद्रों और निजी अस्पतालों में टीका लग रहा है।

माँ वीरलोचनी के दरबार में श्रद्धालुओं ने मांगी मनौतियां

ललितपुर। चैत्र नवरात्रि पर्व पर विशेष दुर्गा अष्टमी, उपलक्ष्य में माँ वीरलोचनी बीजासेन महाकाली सिद्ध पीठ गांधीनगर नईबस्ती ललितपुर में माँ भगवती के दरवार को भव्य रूप से सजाया गया। माँ भगवती की विशेष पूजा अर्चना कर माँ भगवती महागौरी महादेवी की महाआरती की गई। सिद्ध पीठ के संस्थापक/अध्यक्ष महंत विनीत बाबा बाल्मीकि ने सभी भगतों को चैत्र नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही पूर्ण विधि विधान से हवन-पूजन किया, जिसमें माँ महाकाली, बाबा महाकाल से विनती की गई कि सम्पूर्ण विश्व में फैली महामारी के विकराल संकट को जड़ से समाप्त करे व सम्पूर्ण विश्व को पुनः अमन शान्ति प्रदान करें। साथ ही जनता से अपील की के शासन प्रशासन के दिये गए निर्देशों का गंभीरता से पालन करें, किसी भी अफवाहों में न आयें, सभी व्यक्ति कोरोना महामारी से बचाब के लिए वैक्सीन जरूर लगवायें।

यह सभी के हित में है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि घर पर ही अपने अपने आराध्य शक्तियों की सेवा करे, भीड़ से बचें, निरन्तर मास्क का उपयोग करें, आमजन से निर्धारित दूरी बनायें रखें साथ ही अपने आस पास के लोगों को भी जनहित में जागरूक करें। साथ ही अपने आस पास में जरूरतमंद लोगों की मदद करते रहें ये भी दुर्गा नवरात्रि के व्रत के समान ही है, मन्दिर परिसर कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुए अभी आमजन के प्रवेश हेतु बन्द रखा गया है, जब तक शहर की स्थिति में सुधार नहीं होता जब तक मंदिर के समस्त भक्तगण अपने घर पर ही सेवा पूजा अर्चना करें सावधानी बरतें। महाआरती में सोशल डिस्टेंश का पालन करते हुये श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्लाजमा देकर बचायी जिन्दगी

ललितपुर। ललितपुर के राकेश जैन रोड़ा वालों को गंभीर रूप से कोरोनासे पीड़ित होने पर झांसी में एबी पोसिटिव प्लाज्मा की आवश्यकता हुई। जिस पर उनके छोटे भाई आदेश जैन ने स्थानीय स्तर से संपर्क किया जिस पर पूर्व से रेसिस्टर्ड विजय कुमार जैन ने झांसी जाकर अपनी एंटीबॉडी चेक कराई। 20 सितंबर को वह कोरोना से पीड़ित हुए थे। 7 माह बाद उनकी एंटीबॉडी सिक्स पॉइंट एलजी आई। जिस पर उन्होंने राकेश जैन रोड़ा वालों को दो यूनिट प्लाज्मा डोनेट किया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने विजय कुमार जैन का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने 55 वर्ष की उम्र में भी साहसिक कार्य कर अपना कर्तव्य निर्वाह किया क्योंकि जिस प्रकार झांसी में डॉक्टर रेमदेसीविर इंजेक्शन ना मिलने के कारण सभी को प्लाज्मा थेरेपी की सलाह दे रहे हैं। उस प्रकार से हमारे ललितपुर के सभी कोरोना वारियर्स को जो पूर्व में कोरोना से पीड़ित रह चुके हैं उनसे आह्वान किया कि वह स्थानीय संस्थाओं द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम में हिस्सा लें अपना रजिस्ट्रेशन कराएं।

किराने की होम डिलीवरी हेतु दिए गए नम्बरों पर कर सकते हैं सम्पर्क

नीरज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ भिण्ड

भिण्ड।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार, एसडीएम भिण्ड उदय सिंह सिकरवार द्वारा बताया गया की कोविड संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए एवं कोरोना कर्फ़्यू अंतर्गत लोग अनावश्यक बाहर न निकलें इसके साथ घरों में आवश्यक किराने की पूर्ति भी हो इस हेतु जिला प्रशासन द्वारा भिण्ड नगरीय क्षेत्र के किराना व्यापारियों संग बैठक लेकर उन्हें किराने की होम डिलीवरी करने हेतु निर्देशित किया गया है इस हेतु काफ़ी संख्या में व्यपारियों ने इसका समर्थन कर अपने नम्बर साझा किये हैं जिन पर आमजन फ़ोन कर किराने का सामान घर मंगा सकते हैं। किराना **विक्रेताओं की सूची :-**अमित किराना स्टोर-अमित जैन लहार रोड कुलदीप पंप के सामने मो.7000119186, अनंत ट्रेडर्स रतनसेन जैन इटावा रोड भिण्ड जिला पंचायत के सामने भिण्ड मो.9753144019, रामजीलाल दिनेश कुमार जैन इटावा रोड भिण्ड मो.9826689371, राजधानी किराना एवं प्रोविजन स्टोर अजय पोरवाल इटावा रोड भिण्ड मो.9826817598, विजय एण्ड कंपनी विजय जैन इटावा रोड भिण्ड मो.9893240080, पोरवाल किराना स्टोर दिपांश पोरवाल इटावा रोड भिण्ड मो.9826261715, न्यू सिंहहर किराना स्टोर राजकुमार इटावा रोड भिण्ड मो.9826510577, घर गिरस्थी किराना स्टोर राजकुमार पुस्तक बाजार भिण्ड मो.9826432716, देव किराना स्टोर जितेन्द्र जैन पुस्तक बाजार भिण्ड मो.9755455451, अमित किराना स्टोर अमित जैन पुस्तक बाजार भिण्ड मो.8962359840, रिषभ किराना स्टोर राजेन्द्र कुमार पुस्तक बाजार भिण्ड मो.9977084458, अलोक किराना स्टोर अलोक पुस्तक बाजार भिण्ड मो.9826055234, नीरज किराना स्टोर नीरज जैन पुस्तक बाजार भिण्ड मो.9584555761, राखी किराना स्टोर अमित जैन पुस्तक बाजार भिण्ड मो.9826763138 एवं शांतीलाल संजय कुमार संजय जैन सब्जी मण्डी भिण्ड मो.9826436871 हैं।

अभी तक के सारे रिकार्ड हुये ध्वस्त बुधवार को निकले 348 संक्रमित

ललितपुर। बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण को लेकर संक्रमित हुये लोगों का जो आंकड़ा जारी किया है, दरअसल उस आंकड़ें ने अभी तक के सभी रिकॉर्डों को ध्वस्त कर दिया। हालांकि एक अच्छी संख्या में लोग कोरोना संक्रमण को मात देकर घर वापस भी पहुंच रहे हैं, लेकिन बढ़ रही संक्रमितों की संख्या को लेकर लोगों में जागरूकता भी बढ़ रही है। तो वहीं दूसरी ओर बाजार में स्थित थोक दवाओं की दुकानें बंद होने से दवाओं की आपूर्ति पर भी खासा असर देखने को मिल रहा है। बाजार से पैरोसिटामोल जो कि चिकित्सकों द्वारा डोलो-650 एम.जी. के नाम से लिखी जा रही है, उसकी उपलब्धता नहीं हो पा रही है, तो वहीं एजिस्थ्रोमाइसिन और आइबर-12 जैसी दवाओं की किल्लत भी जिला अस्पताल के सामने मेडीकलों पर देखने को मिल रही है।

गौरतलब है कि जनपद में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बीते कुछ दिनों से लगातार आगे की ओर बढ़ रहा था, जिसमें सर्वाधिक

पंचायत चुनाव के बाद अब ग्रामीण अंचलों से बढ़ी संक्रमितों की संख्या

273 मरीजों का आंकड़ा देखा गया था, जिसके बाद 175 मरीजों का आंकड़ा आने पर लोगों ने कुछ मरीज घटने से राहत होना बताया था, लेकिन बुधवार को जारी हुयी सूची के अनुसार जिले में बीते चौबीस घण्टे में 348 मरीज कोरोना संक्रमण के निकलने से अभी तक के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गये। प्रशासन भले ही लगातार लोगों को मास्क लगाने और दो गज की दूरी का पालन करने का आह्वान कर रहा है, लेकिन लोगों का हुजूम जब बाजारों में उमड़ता है, तो प्रशासन के साथ-साथ शासन द्वारा निर्धारित गाइड लाइन धरी की धरी रह जाती है। ऐसे में लोगों को जागरूकता की बात भी समझ नहीं आती। वहीं दूसरी ओर पुलिस द्वारा सख्ती भी नहीं बरती जा रही है, जिससे लोगों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। शहर के कटरा बाजार में चूना लाइन के बाहर सराफा लाइन के पास सड़क पर दुकानों को लेकर कुछ लोग जगह को इतना संकीर्ण कर देते हैं, जिससे भीड़ एकदम बढ़ जाती है और लोग सोशल डिस्टेंश का पालन नहीं पाते हैं। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि जो निर्धारित दुकानें हैं, उनके अलावा अन्य फुटपाथ पर लगने वाली दुकानों को तत्काल हटाये, ताकि लोगों को सोशल डिस्टेंश के साथ आवागमन में परेशानी न हो।

24 घंटे में 13 लोगों की मौत, उन्नाव के प्राइवेट कोविड अस्पताल सरस्वती मेडिकल कॉलेज में हंगामा

उन्नाव। उन्नाव के एकमात्र कोविड हॉस्पिटल सरस्वती मेडिकल कॉलेज में मौत का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। 24 घंटे में 13 लोगों की मौत के बाद बुधवार सुबह परिजनों ने अस्पताल गेट पर हंगामा खड़ा कर दिया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही और शिकायतों को अनसुना करने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे एसडीएम ने किसी तरह मामले को संभाला। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर कहर ढा रही है। एक माह में सरस्वती मेडिकल कॉलेज में कोरोना से संक्रमित 470 लोगों को भर्ती कराया जा चुका है। मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ अवव्यस्थाएं भी बढ़ गयी हैं। इससे यहां लोग दम तोड़ रहे हैं। पिछले पांच दिन में कोविड हॉस्पिटल में 25 लोगों की मौत हुई है। बुधवार सुबह कोविड हॉस्पिटल के बाहर अपनो को खोने के गम में बौखलाए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। वह अस्पताल प्रशासन से शव देने की मांग करते रहे। सूचना पर पुलिस बल और एसडीएम हसनगंज को मौके पर भेजा गया। सीएमओ डॉ आशुतोष ने बताया कि मरीजों के इलाज में लापरवाही नही की जा रही है। शिकायतों का समय से निस्तारण भी कराया जा रहा है।

राजधानी लखनऊ के दो बड़े प्राइवेट अस्पतालों में आक्सीजन खत्म, मरीजों को हायर सेंटर ले जाने की नोटिस चस्पा

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के अस्पतालों में ऑक्सीजन का भारी संकट खड़ा हो गया है। सबसे बड़े जिला अस्पताल बलरामपुर में कुछ ही घंटों का ही ऑक्सीजन रह गया है। प्राइवेट अस्पतालों में तो ऑक्सीजन का स्टॉक ही खत्म हो गया है। मेयो हॉस्पिटल ने गेट के बाहर ऑक्सीजन के स्टॉक खत्म होने और अपने मरीजों को हायर सेंटर ले जाने का नोटिस चिपका दी है। टीएस मिश्र हॉस्पिटल से भी मरीजों को ले जाने को कह दिया गया है। कुछ और प्राइवेट अस्पतालों में भी आक्सीजन खत्म होने की बात कही जा रही है। राजधानी के बलरामपुर अस्पताल में कुछ घंटों की आक्सीजन सप्लाई रह गई है। बलरामपुर अस्पताल में 290 मरीज भर्ती हैं। अस्पताल प्रशासन ऑक्सीजन के संकट को लेकर सीएमओ और डीएम को पिछले कई दिनों से लगातार मेल और फोन के माध्यम से सूचित कर रहा है। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं

की गई। वहीं जिला प्रशासन के मुताबिक ऑक्सीजन की व्यवस्था की जा रही है। सीएमएस डॉ आर के गुप्ता ने बताया ऑक्सीजन का स्टॉक जल्द खत्म होने वाला है। वहीं अस्पताल के निदेशक डॉ राजीव लोचन के मुताबिक अभी सात से आठ घंटे की ऑक्सीजन मौजूद है। वहीं अस्पताल प्रबंधन जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को दो-तीन दिनों से लगातार मेल करके वह फोन के माध्यम से जानकारी दे रहा है। उन्होंने बताया कि अब ऑक्सीजन का जल्द प्रबंध करना होगा नहीं तो मुश्किल बढ़ सकती है। वही इस बारे में कोविड-19 प्रबंधन के अधिकारी बनाए गए। डॉक्टर जी एस बाजपेई से कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन काट दिया। सीएमओ डॉ संजय भटनागर भी फोन नहीं उठा रहे।

प्राइवेट अस्पतालों ने लगाया नोटिस-ऑक्सीजन की किल्लत की वजह से गोमतीनगर स्थित मेयो हॉस्पिटल ने गेट के बाहर नोटिस लगा दी है। नोटिस में लिखा है कि अस्पताल में ऑक्जीन की सप्लाई नहीं है। इसलिए तीमारदारों से अनुरोध है कि वे अपने मरीजों को हायर सेंटर ले जाएं। वहीं टीएस हॉस्पिटल में भी ऑक्सीजन की किल्लत की वजह से मरीजों को बाहर निकाला जा रहा है। हालांकि नोटिस लगने के कुछ देर बाद मेयो हास्पिटल में जिला प्रशासन की ओर से कुछ घंटों का बैकअप भेजा गया है, लेकिन अभी भी किल्लत बरकरार है।

कलेक्टर ने पूर्व से जारी आदेशों के साथ किये अतिरिक्त आदेश जारी

पंकज त्रिपाठी दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने म.प्र. शासन गृह विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश में कोविड की संख्या में विगत दिनों से हो रही बढोतरी को दृष्टिगत रखते हुये अतिरिक्त दिशा निर्देश जारी किये गये है। अतः उपरोक्त प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में कोविड-19 संक्रमित व्यक्तियों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने तथा आमजन के स्वास्थ्य एवं जान-माल की सुरक्षा व लोकहित को दृष्टिगत रखते हुये, दिनांक 18 अप्रैल 2021 को जारी आदेश यथावत रखते हुये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस ने भिण्ड जिले की राजस्व सीमान्तर्गत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में निहित शक्तियों का प्रयोग कर निम्नानुसार दिशा निर्देश प्रसारित किये है -

1.केन्द्र सरकार के ऐसे कार्यालय जो आवश्यक सेवाऐं प्रदान नहीं करते है, को यह सलाह दी जाती है कि वह 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ कार्यालय चलाएं।

2.अति आवश्यक सेवाऐं देने का कार्य करने वाले कार्यालयों को छोड़कर शेष कार्यालय 10 प्रतिशत
कर्मचारियों के साथ संचालित किये जायें अत्यावश्यक सेवाऐं में जिला कलेक्ट्रेट ,पुलिस ,आपदा प्रबंधन, फायर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, जेल, राजस्व, पेय जल आपूर्ति, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, विद्युत प्रदाय, सार्वजनिक परिवहन, कोषालय आदि सम्मलित है।

3. आईटी कम्पनियों, बीपीओ / मोबाईल कम्पनियों का सपोर्ट स्टाप एवं यूनिट्स तथा मीडिया कार्यालय को छोड़कर शेष निजी कार्यालय ही 10 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही अपना कार्य संपादित करेंगे।

4. बिन्दु क्रमांक 2 एवं 3 में 10 प्रतिशत के बंधन के कारण जो कर्मचारी कार्यालय नहीं आते हैं ये वर्क फ्रोम होम करेंगे।

5.ऑटो, ई-रिक्शा में 2 सवारी, टेक्सी तथा निजी 4 पहिया वाहनों में ड्रायवर तथा 2 पेसेन्जरों को (मास्क के साथ) यात्रा करने की अनुमति होगी।

6.सामाजिक / राजनैतिक / खेलकूद / मनोरंजन / शैक्षणिक / सांस्कृतिक / सार्वजनिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए लोगों का एकत्रित होना पूर्णतः वर्जित रहेगा।

7.बड़ी सब्जी मण्डियों को छोटे-छोटे स्वरूप में शहरों के भिन्न-भिन्न भागों में बांटे जाने की कार्यवाही संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा की जावें।

8.थोक व्यापारियों द्वारा फुटकर किराना दुकानों में सामग्री का प्रदाय सतत् एवं निर्वाध रूप से बना रहे।

9. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा पत्र दिनांक 21.04.2021 से जनपद पंचायतों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रचार को रोकने हेतु स्वप्रेरणा से संकल्पित होकर प्रस्ताव पारित किया गया है कि ग्राम पंचायत की सीमा में जनता कर्फ़्यू लगाया जाये। जनता कर्फ़्यू की अवधि में पंचायतें कोविड-19 संबंधी जारी गाईड लाईनों का पालन करेंगे तथा आवश्यक परिस्थितियों को छोड़कर ग्राम से बाहर नहीं जाने का निर्णय लिया गया है। पारित संकल्प के आधार पर जिला अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायत सीमा क्षेत्र अंतर्गत जनता कर्फ़्यू घोषित किया जाता है।

10.ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव अनुसार जिला अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों की सीमा में जनता कर्फ़्यू का पालन कराये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट व मुख्य कार्यपालन अधिकारी समस्त जनपद पंचायत भिण्ड को अधिकृत किया जाता है। उपरोक्त निर्देशों का मूल आशय यह है कि कम से कम लोग अपने घरों से निकलें ताकि संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सकें। उक्त आदेश का मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) समस्त जिला भिण्ड कार्यपालिक मजिस्ट्रेट समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी समस्त जिला भिण्ड एवं थाना प्रभारी (समस्त) जिला भिण्ड अक्षरशः कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करेंगे तथा आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश भिण्ड जिले में निवासरत प्रत्येक नागरिक को सम्यक् रूप से व्यक्तिशः तामील कराया जाना संभव नहीं है। अतः सार्वजनिक माध्यमों, इलैक्ट्रोनिक मीडिया एवं सामाचार पत्रों के माध्यम से सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक जिला भिण्ड, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला भिण्ड, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) समस्त जिला भिण्ड, मुख्य नगर पालिका अधिकारी समस्त जिला भिण्ड एवं श्रम अधिकारी जिला भिण्ड अपने अपने विभागीय माध्यमों से उक्त आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर अन्य आदेश तक लागू रहेगा।

वाराणसी में हर तीसरे व्यक्ति में मिल रहा कोरोना, संक्रमण दर 37 फीसदी हुई

वाराणसी। वाराणसी में ली जा रही सैंपल में हर तीसरे व्यक्ति में कोरोना का संक्रमण मिल रहा है। यहां संक्रमण दर 37 फीसदी हो चुका है। बुधवार की सुबह एक बार फिर रिकॉर्ड 1278 नए मामले सामने आए हैं। जिले में अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 47788 हो गई। इसमें 17131 एक्टिव केस हो गए हैं। बीएचयू लैब से सोमवार को 6312 लोगों की रिपोर्ट आई है। इसमें 2320 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सात लोगों की मौत भी हुई है। 1456 लोग स्वस्थ हुए हैं। मरने वालों में बीएचयू में भर्ती खजुरी निवासी 34 वर्षीय महिला, कज्जाकपुरा निवासी 57 वर्षीय महिला, लंका निवासी 76 वर्षीय बुजुर्ग, पांडेय हवेली सोनारपुर निवासी 61 वर्षीय बुजुर्ग, बीएलडब्ल्यू में भर्ती निराला नगर निवासी 64 वर्षीय महिला, पहाड़ी गेट निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग और न्यू कॉलोनी ककरमत्ता निवासी 76 वर्षीय बुजुर्ग शामिल हैं। जिले में कोरोना का एक्टिव केस बढ़कर 15832 हो गए हैं। इलाके वार बात करें तो कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल में 94 लोग, जक्खिनी अराजीलाइन 28 लोग, महमूरगंज में 34 लोग, माधोपुर में छह लोग, महमूरगंज रॉयल रेजिडेंसी में 18 लोग, शिवपुर में 13 लोग, मिर्जामुराद में 13 लोग, दशाश्वमेध में 12 लोग, मंडुवाडीह में 14 लोग, शुभम हॉस्पिटल में छह लोग, जिला अस्पातल में छह लोग, टाउनहॉल पहड़िया के पांच लोग, कंदवा में छह लोग, बीएलडब्ल्यू में 31 लोग, गणेशधाम कॉलोनी बजरडीहा में 18 लोग, होमी भाभा कैंसर अस्पताल में पांच लोग, सिगरा में 14 लोग, दुर्गाकुंड में 18 लोग, पहड़िया में नौ लोग, पुर्वांचल विद्युत वितरण निगम के 56 लोग सहित अन्य क्षेत्र में एक-एक लोग संक्रमित हैं। जिले में सोमवार को 826 लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया। इसमें से 503 लाभार्थियों को पहली डोज़ तथा 323 लाभार्थियों को दूसरी डोज़ लगाई गई। इसमें से 60 वर्ष से ऊपर 91 लोगों को पहली डोज़ व एक को दूसरी डोज़ लगाई गई। वहीं 45 से 59 वर्ष तक के 409 लोगों को पहली डोज तथा 319 को दूसरी डोज का टीका लगाया गया। मंगलवार को जनपद के छह केन्द्रों क्रमशः जिला महिला चिकित्सालय, एसएसपीजी मंडलीय चिकित्सालय, अर्बन पीएचसी दुर्गाकुंड, अर्बन पीएचसी चौकाघाट, सीएचसी अराजीलाइन तथा डिवीजनल हॉस्पिटल एनईआर लहरतारा में टीकाकरण किया जाएगा।

वाराणसी में गंगा किनारे बनाया अस्थाई शवदाह स्थल, विरोध में उतरे आसपास के लोग

वाराणसी । बनारस में गंगा किनारे बुधवार को अस्थायी शवदाह स्थल शुरू कर दिया गया। दोपहर तक ही करीब 14 शवों की अंत्येष्टि के साथ आसपास के इलाकों में धुंआ भरने से लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझाया। जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। लोगों का आरोप है कि शवदाह स्थल बस्ती से दूर बनाने की बात हुई थी। लेकिन ऐसी जगह पर बना दिया गया जहां बड़ी संख्या में लोगों के मकान बने हुए हैं।

वाराणसी के महाश्मशान मणिकर्णिका और हरिश्चंद्रघाट पर शवों की कतार के कारण जिला प्रशासन ने गंगा किनारे अस्थायी शवदाह स्थल बनाने का फैसला किया था। इसके लिए तय हुआ था कि सामने घाट और राजघाट के बाद नए शवदाह स्थल बनाए जाएंगे। जिला प्रशासन के निर्देश पर बुधवार को सामने घाट के पास मलहिया मदेरवा और रमना के बीच शवदाह शुरू करा दिया गया। अत्येष्टि से उठने वाले धुएं को देखकर आसपास के लोग लामबंद हो गए और विरोध शुरू कर दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि शवदाह स्थल सामनेघाट इलाके में बनाने का निर्देश

नगर निगम के अधिकारियों को मिला था। सामनेघाट में शवदाह स्थल बनवाने की जगह मलहिया में बनवा दिया गया। बस्ती के करीब होने से दाहसंस्कार से उठने वाले धुएं से संक्रमण फैलने का डर बन गया है। लोगों के हंगामे की सूचना पर पहुंचे इंस्पेक्टर लंका को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के नाम पत्रक देकर दाहसंस्कार बस्ती से दो से पांच सौ मीटर की दूरी पर झाड़ी वाले स्थान पर कराने की मांग की। मलहिया सहित आसपास के इलाके में कई कॉलोनी और स्कूल के साथ ही गढ़वाघाट आश्रम और अपना घर आश्रम है। शवदाह शुरू होने के बाद से पूरे इलाके में धुआं दिखाई पड़ने लगा। इससे लोगों के भीतर संक्रमण फैलने का डर सताने लगा। जिस स्थान पर शवदाह किया जा रहा है उसके दो सौ मीटर की दूरी में पूरा धुआं धुआं हो जा रहा है। मौके पर पुलिस की मौजूदगी में शवदाह शुरू हुआ। रमना के निवर्तमान प्रधान पति अमित पटेल ने इंस्पेक्टर लंका से मांग की है कि जिलाधिकारी से बातचीत कर शवदाह बस्ती से दूर कराया जाए। ऐसा नहीं होने पर ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी से मिलकर शवदाह स्थल बदलने की मांग की जाएगी। बगल के कॉलोनी और बस्ती में रहने वाले लोगों को डर है कि सांस और इंफेक्शन हवा के द्वारा फैल सकता है।

एक नजर...

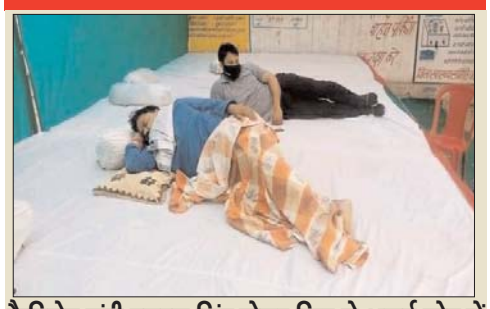

कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर फिर से अलर्ट मोड़ में

नीतेश शर्मा पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मंत्री जी ने व्यावथाओ का लिया जायजा, अस्पताल में गुजारी रात अपने अलग ही अंदाज के लिए जाने मशहूर ग्वालियर के कैबिनेट मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एक बार फिर से अलर्ट मोड़ में आ गए है, इस बार हजीरा स्थित सिविल अस्पताल का जायजा लेने पहुँचे मंत्री जी ने अस्पताल में ही रैनबसेरा किया, मंत्री जी के इस अंदाज को देखकर अस्पताल स्टाफ भी अलर्ट मोड़ में नजर आया, विदित हो कि कोरोनकाल में मध्यप्रदेश में मंत्रियों को जिले का प्रभार दिया गया है इसीक्रम में मंत्रीजी अपने गृह जिले के सिविल अस्पताल में मरीजों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुँचे थे।

सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार एवं सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, भूख न लगना जैसे लक्षण होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचे

मुरैना। ऐसे व्यक्ति जो ब्लड प्रेसर, डायबिटीज किड़नी, अस्थमा, केंसर आदि बीमारियों से पीड़ित है। वे अपने आप में कोरोना से बचाव के लिये पूरी तरह सावधानियां बरतें। ऐसे लोग हमेशा मास्क लगाये रखें। भीड़-भाड़ में न जायें, आपस में दो गज की दूरी बनाकर रखें। हाथों को सैनेटाइज करते रहना अथवा हाथों को साबुन से धोते रहना है। यही सावधानियां है। सिविल सर्जन डॉ. एके गुप्ता कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. डीके गुप्ता और मीडिया ऑफीसर ने आमजनों को सलाह दी है कि किसी भी व्यक्ति को सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, भूख न लगना, दस्त लगना आदि के लक्षण होने पर वे घर पर ही पारंपरिक उपचार लेते रहते है। ठीक होने की उम्मीद में 5 से 7 दिन गुजार देते है, जिन्हे स्वास्थ्य लाभ होने के बजाय उनकी बीमारी और बढ़कर जटिल हो जाती है। ऐसे लोंगो को अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में कोविड-19 की जांच पॉजीटिव आती है तो उपचार और जटिल हो जाता है। ऐसे मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट या आईसीयू में भर्ती कर उपचार करना पड़ता है। ऐसी बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को सलाह दी है कि उन्हें सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, हाथ-पैरों में दर्द, शरीर में ऐठन, भूख न लगना खाने व सूघंने में स्वाद का पता न लगना आदि लक्षणों में आते ही वे तुरंत चिकित्सक से परामर्श ले। अथवा कोविड-19 की जांच करवाकर समय रहते पूर्व उपचार लेकर स्वास्थ्य हो। जिससे वे अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें।

टीका लगवाकर खुश हैं श्री रामनिवास राजपूत

मुरैना। जागरूक लोगों ने कोरोना को हराने का मन बना लिया है। वह न सिर्फ अपने परिवार को टीकाकरण केन्द्रों तक ला रहे हैं बल्कि मोहल्ले वालों की भी मदद कर रहे हैं। नतीजा यह रहा कि लगातार टीकाकरण कराने वालों की संख्या बढ़ रही है। कोरोना संक्रमण बेशक बढ़ रहा है, लेकिन डरने से ज्यादा मुकाबला करने की जरूरत है। नगर निगम के न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री रामनिवास राजपूत ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर में 19 अप्रैल को टीकाकरण करवाकर बताया कि आम लोग टीकाकरण के जरिए इस महामारी का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। टीकाकरण केंद्रों पर उत्साह का माहौल है। टीका लग जाने से संक्रमण से आसानी से बचा जा सकता है। टीका लगवाने के बाद मुझे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर में टीका लगवाने के बाद श्री रामनिवास राजपूत ने खुशियों को साझा करते हुए बताया कि टीकाकरण के लिए मैं बहुत उत्साहित था। श्री राजपूत ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि मानव जीवन के लिए घातक बना कोरोना संक्रमण अभी भी देश के लोगों के लिए आफत बना है। सुरक्षा के लिए वैक्सीन लगवाने के अलावा और कोई भी उपाय नहीं है। ऐसे में लापरवाही किए बगैर टीकाकरण का दूसरा डोज मैंने लगवा लिया है। किसी तरह से कोई दिक्कत नहीं हुई। कृपया कर आप सभी लोग भी टीका जरूर लगवाएं। श्री राजपूत ने प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार की ओर से गाइडलाइन के दायरे में आने वाले लोग अनिवार्य रुप से टीका लगवाकर कोरोना से मुक्ति की इस लड़ाई में अपनी सहभागिता जरूर करें।

मजदूर भाई-बहन कोरोना संकट में परेशान न हो - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोजन से लेकर काम देने तक की होगी पूरी व्यवस्था मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की श्रमिकों से अपील

दतिया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के कारण बनी परिस्थितियों में मजदूर भाई-बहनों को काम देने की पूरी व्यवस्था की गई है। काम की तलाश में उन्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टेलीविजन और सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि मनरेगा के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों में लगभग 21 लाख मजदूर नियोजित हैं। इन मजदूरों की हरसंभव सहायता की जाएगी। तीन महीने का निरूशुल्क राशन भी उनको दिया जा रहा है। श्रमिकों को मध्यप्रदेश से बाहर जाने की कोई जरूरत नहीं है। मध्यप्रदेश में जो मजदूर भाई-बहन आएंगे, उनका भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। चाय, नाश्ता, भोजन से लेकर जरूरत पड़ने पर काम देने तक सारी व्यवस्था करने का प्रयास होगा। यह कोशिश होगी कि मजदूर भाई-बहनों को कोरोना संकट के समय कोई परेशानी न हो।

शादी-विवाह पर निगरानी रखने हेतु दल गठित

दतिया। कोरोना के संक्रमण को देखते हुए जिले मे शादी-विवाह में निर्धारित सीमा से अधिक लोगों पर निगरानी रखने हेतु कलेक्टर श्री संजय कुमार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाईजरों एवं मैदानी कर्मचारियों के दल गठित किए गए है। गठित दलों द्वारा शादी विवाह में पहुंचकर शादी की अनुमति एवं वर-वघु पक्ष से पांच लोगों को उपस्थित होने की समझाईश भी दी जा रही है। और निर्धारित सीमा से अधिक लोग उपस्थित होने पर वर एवं वधु पक्ष के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। निगरानी दलों द्वारा बुधवार को ग्राम इमिलिया में, तरगुंवा में, दुरसड़ा में, मकौनी में, खैरी में, सीतापुर में, दतिया में वार्ड क्रमो 33, 1 व वार्ड क्रमांक 23 में विवाह आयोजन के संबंध में चर्चा करते हुए जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करने की समझाईश दी।

कोरोना वैक्सीनेशन शिविर में आज 16वें दिवस 382 लोगों द्वारा लगवाया गया टीका

ग्वालियर। एमपीसीसीआई द्वारा संस्था के सदस्यगणों सहित आमजनता की सुविधा हेतु आज 16वें दिवस भी कोरोना वेक्सीनेशन शिविर का आयोजन 'चेम्बर भवन' में किया गया। एमपीसीसीआई, अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि आज के शिविर में कुल 382 लोगों द्वारा वेक्सीनेशन कराया गया । एमपीसीसीआई द्वारा दिनांक 22 अप्रैल को भी संस्था के सदस्यों सहित आमजनता के लिए प्रातः 11.00 बजे से शिविर का आयोजन किया गया है । शिविर में 45 वर्ष से ज्यादा के सभी लोग वेक्सीनेशन करा सकते हैं ।

पूर्व विधायक के कहने पर भी नहीं मिला इंजेक्शन:मुन्नालाल बोले-

प्रशासन को गंभीर मरीज के लिए रेमडेसिविर देने लिखा था पर नहीं मिला, अब उसकी मौत हो गई

ग्वालियर। बुधवार को क्राइसिस मैनेजमेंट की बैठक में पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने रेमडेसिविर इंजेक्शन का मुद्दा उठाया। उन्हों कहा कि मंगलवार को उन्होंने निजी अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीज को रेमडेसिविर इंजेक्शन देने के लिए प्रशासन को लिखा था, लेकिन उसे इंजेक्शन नहीं मिला। मरीज की बुधवार को मौत हो गई। निजी अस्पतालों को भी इंजेक्शन दिए जा रहे, तो वह बाहर से मरीज के परिजन को लाने कैसे बोल सकते हैं। प्रशासन को निजी हॉस्पिटलों को दिए जा रहे इंजेक्शन की मॉनीटरिंग कराना चाहिए, कहीं कालाबाजारी तो नहीं हो रही।

वार्ड-30 के भाजपा संयोजक दीप श्रीवास्तव की बुआ संक्रमित थीं। उन्हें लक्ष्मीबाई कॉलोनी में करनी मल्टी स्पेशियलिटी में भर्ती कराया गया था। मंगलवार को अस्पताल के डॉक्टर ने उन्हें रेमडेसिविर इंजेक्शन का इंतजाम करने के लिए कहा। दीप ने पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल से

मदद मांगी। इस पर पूर्व विधायक को उसके लिए लेटरहेड पर लिखकर दिया। इसके बाद भी उनको इंजेक्शन नहीं मिल सका। बुधवार को मरीज की मौत हो गई। बुधवार को क्राइसिस मैनेजमेंट की बैठक थी। इसमें पूर्व विधायक का गुस्सा फूट पड़ा। कहा कि अस्पतालों में आप इंजेक्शन भेज रहे हैं, इसलिए कि मरीजों को लग जाए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा।

इसलिए गुस्सा आया-पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने कहा कि असल मुद्दा यह था कि प्राइवेट हॉस्पिटल को भी डिमांड के आधार पर जिला प्रशासन रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध करा रही है। इसके बाद भी निजी अस्पताल वाले मरीज के परिजन को पर्चे पर लिखकर बाहर से इंजेक्शन लाने के लिए कह रहे हैं। इसलिए हॉस्पिटलों को जो इंजेक्शन दिए जा रहे हैं, उनकी मॉनिटरिंग की व्यवस्था बनानी चाहिए। प्रशासन का मकसद कालाबाजारी रोकना होना चाहिए।

ग्वालियर में जीवन रक्षक पर सख्त पहरा:रेमडेसिविर इंजेक्शन की सुरक्षा में दो ऑफिसर

6 कर्मचारी तैनात, 8 सीसीटीवी और दो ताले भी लगाए

ग्वालियर। प्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी के मामले सामने आने के बाद ग्वालियर में प्रशासन सतर्क हो गया है। यहां रेमडेसिविर की सुरक्षा में दो ऑफिसर, 6 कर्मचारी, तीन 8 सीसीटीवी और हर दरवाजे पर दो-दो ताले लगाए गए हैं। इस समय देश में इंजेक्शन को लेकर किल्लत है, इसलिए भी यह और कीमती हो जाता है। हाल में भोपाल में रेमडेसिविर इंजेक्शन की चोरी का मामला भी सामने आया था, इसलिए भी जहां यह रखा गया है, वहां कड़ी निगरानी है। अफसर पल-पल की जानकारी ले रहे हैं।

इस तरह है सुरक्षा-जॉइंट डायरेक्टर डॉ. अशोक दीक्षित ने बताया, कोरोना मरीजों के लिए आए रेमडेसिविर इंजेक्शनों को सुरक्षा में संभागीय स्टोर पहुंचाया गया। यहां इन्हें डबल लॉक में रखा गया है। इन दोनों तालों की चाबी दो अलग-

अलग अफसरों के पास रहती है। साथ ही, निगरानी के लिए कैंपस में सीसीटीवी लगे हैं। 6 कर्मचारियों की राउंड द क्लॉक ड्यूटी लगाई गई है, जो प्रत्येक 8 घंटे की ड्यूटी में दो-दो की संख्या में तैनात रहते हैं, जिससे इन इंजेक्शनों की निगरानी की जा सके।

संभाग के 2400 इंजेक्शन यहीं रखे थे-प्रदेश सरकार ने ग्वालियर-चंबल संभाग के लिए कुल 2400 इंजेक्शन भेजे हैं, जिसमें ग्वालियर को कुल 1152 इंजेक्शन मिले हैं। सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को डॉक्टर द्वारा बताई गई जरूरत पर फ्री इंजेक्शन मिलेगा, जबकि प्राइवेट अस्पताल में भर्ती मरीजों को प्रत्येक इंजेक्शन का निर्धारित मूल्य रेडक्रॉस का चुकाना होगा। इसके बाद ही इंजेक्शन उनको मिल सकेगा।

अभी रेमडेसिविर की खपत-ग्वालियर में इस समय कोरोना के करीब 6800 के करीब एक्टिव केस हैं। इनमें भी करीब 500 गंभीर मरीज होंगे, जिन्हें रेमडेसिविर इंजेक्शन की जरूरत पड़ रही है। इस संख्या को देखते हुए अभी जिले में पर्याप्त संख्या में रेमडेसिविर इंजेक्शन है। आसानी से मरीजों को मिल सकते हैं। अगर सामान्य मरीज इसके लिए आपा-धापी ना करे, तो इन इंजेक्शनों की किल्लत नहीं होगी।

जनता कर्फ्यू, बाजारों में सन्नाटा:बाजारों को बैरीकेड्स लगाकर किया बंद

पुलिस ने बेवजह बाहर निकलने वालों से लगवाई उठक-बैठक

ग्वालियर। कोरोना के लगातार बढ़ते मामले और तेजी से हो रही संक्रमितों की मौत ने फिर से दहशत फैला दी है। जो लोग कोरोना को मामूली सर्दी जुकाम कहकर सड़कों पर बेवजह घूम रहे थे। अब वह काम होने पर ही निकल रहे हैं। पहले की अपेक्षा सड़कों पर लोगों की चहल-पहल कम हुई है। इसके पीछे भी दो कारण हैं- एक तो पुलिस सड़कों पर सख्त हो गई है, दूसरा कोरोना से लगातार हो रहीं मौतों के बाद लोग डरे हुए हैं। बुधवार को जनता कर्फ्यू का सातवां दिन है। श्ट्रू पहले ही 30 अप्रैल तक कर्फ्यू की घोषणा कर चुके हैं। संभव है, बुधवार शाम तक ग्वालियर कलेक्टर सख्त प्रतिबंध के साथ गाइडलाइन जारी कर दें। नए आदेश में सख्ती बढ़ाई जाएगी। अभी तक जो रियायत मिली थीं, उनमें भी कटौती की जा सकती हैं। जैसे दूध, सब्जी के लिए बाजार खुलने और बंद होने के समय को कम किया जा सकता है।

इंदरगंज चौराहा पर लगवाई उठक-बैठक-पुलिस की सख्ती इतनी है, बाजारों को बैरीकेड्स लगाकर आवागमन बंद कर दिया है। सभी प्रमुख बाजारों का यही हाल है। जो दुकान खोलता हुआ नजर आता है, उस पर जुर्माना या दुकानें सील करने की कार्रवाई की जा रही है।

बुधवार को प्रशासन ने सुबह-सुबह दो किराना दुकानें सील की हैं, जबकि पुलिस ने 2 दुकानदारों पर स्न्रढ्ढक्रदर्ज की हैं। इसके साथ ही इंदरगंज चौराहा पर स्कूटर सवार दो लड़कों को पकड़ा। पूछताछ की, तो पहले अस्पताल जाने की कहने लगे। पड़ताल में पता लगा कि गुटखा लेने जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक बाजारों और सड़कों पर कर्फ्यू के दौरान बीते कुछ दिनों की तुलना में चहल-पहल कम हुई है। लोग बिना कारण उतना नहीं घूम रहे हैं। पुलिस की सख्ती तो है, वहीं कोरोना के लगातार बढ़ते केस और हर दिन 20 से 25 मौत से लोगों में दहशत भी है। इसके अलावा गर्मी अधिक होने से सुबह से शाम तक सड़कों व बाजारों में सन्नाटा पसरा है।

कर्फ्यू का असर टीकाकरण पर भी-बीते सात दिन की बात करें, तो जनता कर्फ्यू का असर वैक्सीनेशन पर भी पड़ा है। कुछ लोग डर के चलते निकले ही नहीं हैं। यही कारण है कि बीते सात दिनों में तुलनात्मक रूप से कम लोग टीकाकरण केन्द्र तक पहुंचे हैं।

कोरोना के संक्रमण की चैन को तोड़ने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर सर्वे होगा आज से

दतिया। कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव एवं कोविड 19 बीमारी की ट्रांसमिशन चैन को तोड़ने हेतु जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक डोर टू डोर सर्वे का कार्य सर्वे दल द्वारा किया जायेगा। सर्वे के दौरान बुखार, सर्दी, खांसी एवं सांस लेने में तकलीफ के लक्षण पाए जाने पर मरीजों की खोज एवं चिन्हांकित कर उन्हें चिकित्सकों से परीक्षण करवाया जायेगा। कलेक्टर श्री संजय कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डोर टू डोर सर्वे अभियान का नोडल अधिकारी संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सर्वे दल का प्रभारी सचिव, ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत को बनाया गया है। दल में सहयोग के रूप में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका रहेगी। सर्वे दल द्वारा 22 अप्रैल से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर प्रत्येक सर्वे दल द्वारा कम से कम 50 से 75 परिवारों का सर्वे किया जायेगा। सर्वे का कार्य प्रातः 8.30 बजे से शुरू होगा। इस सर्वे दल के सदस्य किसी एक नियत स्थान पर एकत्रित होकर सर्वे कार्य के लिए रवाना होगे। सर्वे दल के सदस्य सर्वे के दौरान परिवार के किसी सदस्य को सर्दी, खांसी, बुखार एवं सांस लेने में तकलीफ से संबंधित लक्षण पाए जाने पर सर्वे दल प्रभारी तत्काल खण्ड़ चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचपायत को सूचित करेंगे। दल में शामिल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता अपने-अपने ग्राम की आंगनबाड़ी कार्यक्षेत्र में सर्वे करना सुनिश्चित करेंगी। सर्वेक्षण दल द्वारा निर्धारित प्रपत्र में जानकारी अंकित कर परीक्षण उपरांत परिवार के मुखिया अथवा परिवार के किसी सदस्य के हस्ताक्षर भी कराएंगी। इस कार्य के लिए नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी अपने स्तर से सर्वे कार्य की समीक्षा कर प्रतिदिन की जानकारी जिला कार्यालय को प्रस्तुत करेंगे। सर्वे में प्रारंभिक लक्षणों वाले व्यक्तियों का खण्ड़ चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परीक्षण कराना सुनिश्चित करेंगे।

विवाह में वर एवं वधु पक्ष के पांच-पांच लोग उपस्थित रह सकेंगे

विवाह की अनुमति संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार से लेनी होगी

दतिया। कलेक्टर एवं जिला दण्ड़ाधिकारी श्री संजय कुमार ने दण्ड़ प्रक्रिया संहिता 1973 की 144 के तहत् पूर्व में जारी आदेशों को संशोधित करते हुए संपूर्ण दतिया जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। जिला दण्ड़ाधिकारी द्वारा बुधवार को जारी अदेश में दतिया जिले की संपूर्ण सीमा क्षेत्र अंतर्गत वर एवं वधु पक्ष के पांच-पांच सदस्यों यथा कुल 10 सदस्यों की उपस्थिति में विवाह किए जा सकेंगे। विवाह की अनुमति हेतु निर्धारित प्रपत्र में विवाह में शामिल होने वाले लोगों की जानकारी संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को देकर अनुमति प्राप्त की जा सकेगी। विवाह कार्यक्रम में भोज की अनुमति नहीं रहेगी। विवाह एक साधारण पारिवारिक कार्यक्रम के रूप में होगा। समारोह पूर्वक नहीं किया जायेगा न ही रिशतेदारों को आमंत्रित किया जायेगा। जारी आदेश में उल्लेख किया है कि उपरोक्त के अलावा पूर्व में जारी आदेश क्रमांक क्यू./स्टेनो/को.व./2021/2606 के द्वारा अधिरोपित शेष प्रतिबंध यथावत रहेंगे। उपरोक्त दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा (51-60) एवं भारतीय दण्ड़ संहिता की धारा 188 एवं अन्य उपयुक्त कानूनी प्रावधानों के सुसंगत धाराओं के वैधानिक एवं दाण्ड़िक कार्यवाही की जायेगी।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता
मनीष बंसल

मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई
कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478